दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'समाज को तोड़ने के लिए बड़ी साजिशों की नहीं, बल्कि दिलों में पैदा हुए छोटे-छोटे मनभेद ही काफी होते हैं। इसलिए विचार अलग हों तो भी रिश्तों में सम्मान और संवाद बनाए रखना ही सच्ची सभ्यता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-174 | झुंझुनूं (राजस्थान) | सोमवार, 18 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

मतभेद नहीं, मनभेद समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा

किसी भी सभ्य और समृद्ध समाज की पहचान उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों या आधुनिक तकनीक से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वहां रहने वाले लोग एक-दूसरे के प्रति कितने संवेदनशील, सहनशील और सहयोगी हैं। समाज कोई मशीन नहीं, जिसे केवल नियमों और व्यवस्थाओं से चलाया जा सके। समाज एक जीवंत ताना-बाना है, जो विश्वास, प्रेम, भाईचारे और आपसी सम्मान के धागों से बुना जाता है। जब ये धागे कमजोर पड़ने लगते हैं, तो समाज भीतर से बिखरने लगता है। आज दुर्भाग्य से हमारा सामाजिक ताना-बाना इसी संकट से गुजर रहा है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। वर्तमान समय में मतभेद और मनभेद के बीच की दूरी तेजी से समाप्त होती जा रही है। विचारों में भिन्नता किसी भी लोकतांत्रिक और जीवंत समाज की पहचान होती है। हर व्यक्ति का सोचने का तरीका अलग हो सकता है। किसी मुद्दे पर अलग राय होना स्वाभाविक है और यही विविधता समाज को नई दिशा देती है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब विचारों का मतभेद दिलों की दूरी यानी मनभेद में बदल जाता है। आज लोग असहमति को दुश्मनी समझने लगे हैं। यदि कोई व्यक्ति हमारे विचारों से सहमत नहीं है, तो हम उसे विरोधी मान लेते हैं। यही सोच समाज में कटुता और विभाजन को जन्म दे रही है।

आज सोशल मीडिया ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। वर्चुअल दुनिया में लोग हजारों लोगों से जुड़े हुए दिखाई देते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में वे अपने ही परिवार और पड़ोस से दूर होते जा रहे हैं। मोबाइल की स्क्रीन पर होने वाली बहसें अब घरों तक पहुंच चुकी हैं। राजनीतिक विचारधाराओं, धार्मिक मुद्दों और सामाजिक विषयों पर होने वाली बहसें रिश्तों में कड़वाहट घोल रही हैं। कमेंट बॉक्स में लिखे गए शब्द कई बार वर्षों पुराने संबंधों को तोड़ देते हैं। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है क्योंकि जब समाज में संवाद खत्म होने लगता है, तब अविश्वास बढ़ने लगता है। पहले समाज में विचारों का मतभेद होते हुए भी मनभेद नहीं होते थे। गांवों की चौपालों में लोग अलग-अलग विचार रखते थे, फिर भी आपसी भाईचारा बना रहता था। चुनाव खत्म होते ही लोग फिर एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े दिखाई देते थे। लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। अब राजनीतिक और वैचारिक मतभेद स्थायी दुश्मनी का रूप लेने लगे हैं। लोग विचारधाराओं के नाम पर रिश्तों को तोड़ रहे हैं। परिवारों के भीतर संवाद कम हो रहा है और अहंकार बढ़ रहा है। यह भी सच है कि आधुनिक जीवनशैली ने इंसान को अधिक आत्मकेंद्रित बना दिया है। लोग 'हम' से अधिक 'मैं' के बारे में सोचने लगे हैं। सामूहिकता की भावना कमजोर होती जा रही है। पहले मोहल्ले और गांव एक परिवार की तरह होते थे। किसी के घर दुख आता था, तो पूरा समाज साथ खड़ा होता था। आज लोग अपने पड़ोसी तक को ठीक से नहीं जानते। रिश्तों की जगह औपचारिकताएं बढ़ रही हैं। संवेदनाएं कम हो रही हैं और स्वार्थ बढ़ता जा रहा है। समाज तब मजबूत बनता है, जब उसमें मतभेदों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करने की संस्कृति हो। लोकतंत्र की खूबसूरती ही यही है कि हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन यदि हर असहमति को अपमान मान लिया जाए, तो समाज में तनाव और टकराव बढ़ना स्वाभाविक है। हमें यह समझना होगा कि विचारों की भिन्नता दुश्मनी का कारण नहीं हो सकती। कोई व्यक्ति हमसे अलग सोचता है, इसका अर्थ यह नहीं कि वह हमारा विरोधी है। परिपक्व समाज वही होता है, जहां लोग बहस करते हैं, लेकिन रिश्ते नहीं तोड़ते।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम संवाद की संस्कृति को फिर से मजबूत करें। जब लोग एक-दूसरे की बात सुनना बंद कर देते हैं, तब मनभेद जन्म लेते हैं। संवाद केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि एक-दूसरे को समझने की प्रक्रिया है। यदि हम अपनी बात कहने जितना धैर्य दूसरों की बात सुनने में भी दिखाएं, तो कई विवाद स्वतः समाप्त हो सकते हैं। शिक्षा और संस्कार की भी यहां महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को केवल तकनीकी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें सहनशीलता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाना भी जरूरी है। यदि नई पीढ़ी केवल प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत सफलता को ही जीवन का लक्ष्य मानेगी, तो समाज में सहयोग और भाईचारे की भावना कमजोर होती जाएगी। यह भी याद रखना होगा कि समाज की असली ताकत उसकी एकता में होती है। जिस समाज की ऊर्जा आपसी झगड़ों और मनमुटाव में खर्च हो जाएगी, वह कभी विकास की नई ऊंचाइयों को नहीं छू सकता। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों में आपसी विभाजन बढ़ा, वे भीतर से कमजोर हो गए। इसलिए मतभेदों को बौद्धिक विकास का माध्यम बनाइए, लेकिन मनभेदों को दिलों में जगह मत दीजिए।

अंततः, समाज की प्रगति केवल आर्थिक विकास से नहीं मापी जा सकती। असली विकास तब होगा, जब इंसानों के बीच विश्वास मजबूत होगा, रिश्तों में गर्मजोशी बनी रहेगी और लोग एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। हमें यह समझना होगा कि विचारों की लड़ाई जीतकर भी यदि हम रिश्ते हार जाएं, तो वह जीत नहीं, समाज की हार है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत यह है कि हम मतभेदों को स्वीकार करना सीखें, लेकिन मनभेदों को अपने जीवन से दूर रखें। क्योंकि जब दिलों के बीच की दूरी कम होगी, तभी एक समरस, मजबूत और संवेदनशील समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।

अंतिम विदाई: नम आंखों और गगनभेदी नारों के बीच पंचतत्व में विलीन हुए झुंझुनूं पुलिस के वीर सपूत भींवाराम मेघवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.भोड़की/झुंझुनूं।

कर्तव्य पालन के दौरान अपनी जान न्यौछावर करने वाले झुंझुनूं पुलिस के वीर सपूत कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल को उनके पैतृक गांव भोड़की में पूरे पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। सीकर में नाकाबंदी तोड़कर भागी संदिग्ध गाड़ी का पीछा करते समय हुए हादसे में कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल ने अपनी जान गंवा दी थी। उनकी पार्थिव देह जब गांव पहुंची तो पूरा माहौल गमगीन हो गया। हर आंख नम थी और हर जुबान पर वीर जवान के सम्मान में नारे गूंज रहे थे। गांव में पार्थिव देह पहुंचने से पहले ही हजारों की संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, पुलिस अधिकारी और आसपास के क्षेत्र के लोग अंतिम दर्शन के लिए एकत्रित हो गए थे। तिरंगे में लिपटी पार्थिव देह को देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिवार के करुण क्रंदन ने वहां मौजूद हर व्यक्ति को भावुक कर दिया। लोगों ने 'भींवाराम मेघवाल अमर रहे', 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के गगनभेदी नारों के साथ अपने वीर सपूत को श्रद्धांजलि दी।

कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल

तिरंगा रैली में उमड़ा जनसैलाब

कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल की अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए। गांव में तिरंगा रैली निकाली गई, जिसमें युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। पूरे रास्ते लोगों ने पुष्पवर्षा कर वीर जवान को नमन किया। अंतिम यात्रा के दौरान माहौल देशभक्ति और शोक के भाव से भरा रहा। ग्रामीणों ने कहा कि भींवाराम ने अपने कर्तव्य को निभाते हुए प्राणों की आहुति दी है, जिसे क्षेत्र कभी नहीं भुला पाएगा। गांव के लोगों ने बताया कि भींवाराम मेघवाल सरल स्वभाव, मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ जवान थे। वे हमेशा समाज और कानून व्यवस्था की रक्षा के लिए तत्पर रहते थे। उनकी शहादत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

शहीद का दर्जा दिलाने की उठी मांग

अंतिम संस्कार के दौरान ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल को आधिकारिक रूप से शहीद का दर्जा देने की मांग की। लोगों का कहना था कि भींवाराम ने कानून व्यवस्था की रक्षा और अपराधियों को पकड़ने के प्रयास में अपनी जान गंवाई है, इसलिए उन्हें शहीद का सम्मान मिलना चाहिए। विधायक विक्रम सिंह जाखल ने परिवार और ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि वे इस मामले को मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे और भींवाराम मेघवाल को शहीद का दर्जा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे वीर जवानों का बलिदान समाज और राज्य के लिए गौरव की बात है।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने अर्पित किए पुष्पचक्र

अंतिम संस्कार में विधायक विक्रम सिंह जाखल, पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढ़ा, झुंझुनूं एसपी कावेंद्र सिंह सागर, सीकर एसपी प्रवीण नूनावत सहित पुलिस और प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विधायक विक्रम सिंह जाखल और पुलिस अधिकारियों ने भींवाराम मेघवाल के बेटे दीपक को तिरंगा सौंपा। यह पल बेहद भावुक रहा। परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हुए अधिकारियों ने कहा कि पुलिस विभाग और प्रशासन परिवार के साथ खड़ा है। पुलिस ने फरार संदिग्ध वाहन की तलाश में पूरे संभाग में 'ए' श्रेणी की नाकाबंदी कर दी है। शहीद कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल अपने पीछे दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। उनकी बड़ी बेटी जयपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही

गांव में पसरा मातम, हर कोई बोला—ऐसे वीर को नमन

भींवाराम मेघवाल के निधन से उनके पैतृक गांव भोड़की सहित पूरे झुंझुनूं जिले में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने कहा कि गांव ने अपना एक सच्चा सपूत खो दिया है। अंतिम यात्रा में शामिल लोगों ने नम आंखों से कहा कि भींवाराम मेघवाल ने वर्दी का मान बढ़ाया है और उनका बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। परिजनों का दुख देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो गया। लोगों ने परिवार को ढांढस बंधाया और कहा कि पूरा समाज उनके साथ खड़ा है। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने भी परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिया।

राजस्थान ने वीर सपूत को किया नमन

अपने कर्तव्य को सर्वोपरि मानकर समाज की रक्षा में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल की शहादत को पूरा राजस्थान नमन कर रहा है। अंतिम विदाई के दौरान उमड़े जनसैलाब ने यह साबित कर दिया कि वीर जवानों का सम्मान समाज के दिलों में हमेशा जीवित रहता है।भींवाराम मेघवाल भले ही पंचतत्व में विलीन हो गए, लेकिन उनकी बहादुरी, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान की गाथा हमेशा लोगों के दिलों में अमर रहेगी।

गुढ़ा रोड स्थित मुक्तिधाम में हुआ अंतिम संस्कार

गुढ़ा रोड स्थित मुक्तिधाम में पूरे पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। इस दौरान वातावरण बेहद भावुक हो गया। कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल के सुपुत्र दीपक ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भर आईं। अंतिम संस्कार के दौरान पुलिस विभाग के अधिकारियों और जवानों ने भींवाराम मेघवाल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी ड्यूटी को सर्वोपरि रखा और संदिग्ध वाहन का पीछा करते हुए अपने प्राणों की परवाह नहीं की। ऐसे जवान पुलिस विभाग के लिए प्रेरणा हैं।

कर्तव्य निभाते हुए दी प्राणों की आहुति

जानकारी के अनुसार, सीकर में नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध गाड़ी ने रुकने के बजाय नाकाबंदी तोड़ दी थी। इसके बाद पुलिस ने वाहन का पीछा किया। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल हादसे का शिकार हो गए और उन्होंने अपने प्राण गंवा दिए। घटना के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। भींवाराम मेघवाल की मौत को लेकर पूरे क्षेत्र में गहरा दुख है। लोगों का कहना है कि उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए समाज की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनकी बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

मंत्रालयिक कर्मचारियों की पहली बैठक में शपथ ग्रहण समारोह की रूपरेखा पर मंथन

जून माह में होगा जिला कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह, कर्मचारियों की समस्याओं पर मजबूती से लड़ने का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मंत्रालयिक कर्मचारी जिला समन्वय समिति झुंझुनूं की प्रथम बैठक का आयोजन सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय झुंझुनूं में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेश बजाड ने की। इस दौरान जिला कार्यकारिणी एवं प्रांतीय परिषद के सदस्यों ने मंत्रालयिक संवर्ग की समस्याओं एवं कर्मचारियों के हितों को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष राजेश बजाड ने कहा कि मंत्रालयिक कर्मचारियों की पीड़ाओं और लंबित मांगों को लेकर संगठन मजबूती से संघर्ष करेगा तथा कर्मचारियों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य किया जाएगा। जिला संगठन मंत्री अजय काला ने बताया कि जिला कार्यकारिणी के भव्य व दिव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन जून माह में किया जाएगा जिसमे जिले के सभी

मंत्रालयिक साथी शामिल होंगे संरक्षक आसमा ख़ान ने महिला कर्मचारियों के सम्मुख आ रही पीड़ाओ से अवगत करवाया व महिलाओं के लिए एक नए प्रकोष्ठ के गठन की मांग उठाई इस अवसर पर आए हुए सभी सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए व शपथ ग्रहण समारोह में अधिक से अधिक कर्मचारियों को शामिल करने के प्रस्ताव का समर्थन किया प्रान्तीय अध्यक्ष महेंद्र धायल ने झुंझुनू की तर्ज पर सम्पूर्ण राजस्थान में निर्वाचन में सहयोग करने की अपील की व नवनियुक्त कोषाध्यक्ष नागेंद्र हाड़ा को कार्यभार स्थानान्तरण सौंपने पर सहमति व्यक्त की इस अवसर पर विधि मंत्री भंवर सिंह जागृत, उपाध्यक्ष शाहीद ख़ान, विवेक कसाना, महिला मंत्री सुनीता, शारदा , महिला कार्यालय मंत्री प्रविंका , खेल मंत्री अनिल ,संरक्षक अशोक हीसारीया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चण्डी प्रसाद शर्मा,मंत्री प्रदीप, अमित,सयुंक्त मंत्री पंकज,रविंद्र,अमित चौधरी, राकेश सैनी,जोगेंद्र सिंह, मूपेंद्र,उप वित्त मंत्री प्रीतम महला,ब्लॉक संगठन मंत्री अलसीसर सरफराज अय्यूब, मण्डावा आलोक कौशिक, नवलगढ़ दिनेश सैनी,पिलानी आनंद शर्मा कार्यकारिणी सदस्य योगेश धूपिया, राजवीर सिंह, तनय सिंह,भवानी शंकर, अनिल कुमार , सूर्य प्रकाश तंवर, प्रांतीय प्रतिनिधि सदस्य अरविन , यतेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे मंच संचालन महामंत्री शैतान सिंह ने किया

महात्मा ज्योतिबा छात्रावास के विधार्थियों व पदाधिकारियों के मध्य हुआ वालीबॉल मैच

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ के पदाधिकारियों व विधार्थियों के मध्य रविवार को मैत्री वालीबॉल मैच का आयोजन हुआ जिसमें छात्रावास की टीम विजयी रहीं।यह जानकारी देते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने बताया कि छात्रावास में विधार्थियों के लिए वालीबॉल मैदान तैयार किया गया जहां रविवार को समिति के महामंत्री महेंद्र कुमार माली, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल मावलियों की ढाणी ने छात्रावास के विधार्थी खिलाड़ियों से परिचय कर दोनों टीमों के मैच खेला गया तथा नियमित रूप से खेलने के प्रेरित किया।इस अवसर पर महेंद्र कुमार माली,झाबरमल माली,नथमल मावलियों की ढाणी बाबूलाल सैनी मनीष कुमार बालाण, पंकज कुमार खडोलिया, संदीप कुमार पिपलोदिरशया, अनिल हेतमसर, पंकज बालाण खुडी, अनिल कुमार जाजम, राजा कटारिया, अंकित महावर, युवराज सांखला, हेमंत भाटी, अंकित गौड़ आदि ने वालीबॉल मैच खेला।

'बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें अभिभावक: एसपी निकिता खट्टर

ऑनलाइन गेमिंग व सोशल मीडिया पर बच्चों की गतिविधियों पर रखें नजर

अनजान लिंक, चैट व वीडियो कॉल बच्चों के लिए बन सकते हैं खतरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर आमजन के लिए महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की गई है।पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर विशेष ध्यान दें और उन्हें साइबर अपराधों से बचाने के लिए समय-समय पर जागरूक करे।

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने बताया कि वर्तमान समय में बच्चे मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और इंटरनेट का अधिक उपयोग कर रहे हैं। साइबर अपराधी बच्चों को आसान निशाना बनाकर फर्जी लिंक, ऑनलाइन गेम, सोशल मीडिया चैट और वीडियो कॉल के माध्यम से ठगी, ब्लैकमेलिंग व डेटा चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई बार बच्चे अनजान लोगों से ऑनलाइन दोस्ती कर लेते हैं और अनजाने में अपनी निजी जानकारी साझा कर देते हैं। साइबर अपराधी इसी जानकारी का दुरुपयोग कर बच्चों और उनके परिवार को नुकसान पहुंचा सकते हैं। एसपी श्रीमती निकिता खट्टर ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को साइबर अपराध से संबंधित कोई शिकायत हो तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करवाएं। समय पर दी गई सूचना साइबर ठगी से बचाव में सहायक साबित हो सकती है।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये–नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस–पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस–बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय–समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग–अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ–दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला–मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट–फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च–मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग–अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले–पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते–फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय–समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस–पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2–3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2–3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक–एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक–एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2–3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते–डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना–फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार–बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते–बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार–बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

विश्व रक्तचाप दिवस पर बीडीके अस्पताल में जांच एवं उपचार शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

विश्व रक्तचाप दिवस के अवसर पर जिले के सबसे बड़े राजकीय बीडीके अस्पताल, झुंझुनूं में रक्तचाप जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में आमजन ने पहुंचकर रक्तचाप की जांच करवाई और चिकित्सकों से परामर्श लिया। अस्पताल प्रशासन की ओर से लोगों को उच्च रक्तचाप के लक्षण, दुष्परिणाम, बचाव और उपचार के बारे में जागरूक किया गया। शिविर का शुभारंभ पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र भाम्बू ने किया। उन्होंने बताया कि बीडीके अस्पताल में रक्तचाप की जांच, उपचार और उच्च रक्तचाप से होने वाली गंभीर जटिलताओं के उपचार की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि समय पर रक्तचाप की जांच नहीं करवाने पर यह बीमारी शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित कर सकती है।

समय पर जांच नहीं होने पर हो सकते हैं गंभीर परिणाम

पीएमओ डॉ. भाम्बू ने बताया कि उच्च रक्तचाप को नजरअंदाज करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। समय पर जांच और उपचार नहीं करवाने पर नकसीर, लकवा, अंधता और गुर्दों की अक्रियाशीलता जैसी गंभीर समस्याएं सामने आ सकती हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि नियमित रूप से रक्तचाप की जांच करवाएं और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार लें।आरएमओ डॉ. विजय झाझड़िया ने रक्तचाप के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उच्च रक्तचाप एक ऐसी बीमारी है, जो कई बार बिना स्पष्ट लक्षणों के भी शरीर को नुकसान पहुंचाती रहती है। इसलिए नियमित जांच ही इससे बचाव का सबसे बेहतर तरीका है।

149 लोगों ने करवाई रक्तचाप जांच

शिविर में कुल 149 लोगों ने रक्तचाप की जांच करवाई। इनमें 86 पुरुष और 63 महिलाएं शामिल रहीं। जांच के दौरान 15 पुराने रोगियों की पहचान की गई, जबकि 3 नए रोगियों का पंजीकरण किया गया। चिकित्सकों ने इन रोगियों को आवश्यक परामर्श और उपचार संबंधी जानकारी दी। पीएमओ डॉ. जितेन्द्र भाम्बू ने बताया कि आगामी सात दिनों तक शिविर के माध्यम से रक्तचाप जांच और जागरूकता गतिविधियां निरंतर जारी रहेंगी। अस्पताल प्रशासन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच के लिए प्रेरित करना है।

एनसीडी नोडल अधिकारी ने दी विस्तृत जानकारी

एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. उमेश चाहर ने शिविर में रक्तचाप के लक्षण, जांच और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं के बारे में भी आमजन को अवगत कराया। साथ ही इस पखवाड़े रक्तचाप विषय पर आयोजित होने वाले विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी। डॉ. चाहर ने बताया कि डायबिटीज, रक्तचाप और हृदय रोग आपस में जुड़ी हुई बीमारियां हैं। यदि रक्तचाप को नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह हृदय, गुर्दे, आंखों और मस्तिष्क पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने कहा कि उच्च रक्तचाप से बचाव के लिए जीवनशैली में सुधार बेहद जरूरी है।

डायस्टोलिक बीपी बढ़ना भी खतरनाक

चिकित्सकों ने बताया कि उच्च रक्तचाप शरीर के विभिन्न अंगों पर दुष्प्रभाव डालता है। रक्तचाप की ऊपरी सीमा के साथ-साथ निचली सीमा यानी डायस्टोलिक बीपी का बढ़ना भी गंभीर खतरे का संकेत हो सकता है। ऐसे में लोगों को नियमित रूप से बीपी की जांच करवानी चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

उच्च रक्तचाप से बचाव के उपाय बताए

शिविर के दौरान चिकित्सकों ने उच्च रक्तचाप से बचाव के लिए आमजन को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, जंक फूड से परहेज, नमक का सीमित उपयोग, तनावमुक्त जीवनशैली, पर्याप्त नींद और समय पर जांच एवं उपचार से उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है।चिकित्सकों ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं भी जागरूक रहें और परिवार के अन्य सदस्यों को भी नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित करें। विशेषकर बुजुर्गों, डायबिटीज और हृदय रोग से पीड़ित लोगों को समय-समय पर रक्तचाप की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ रहे मौजूद

शिविर के दौरान डॉ. संजय खीचड़, डॉ. अरविंद जाखड़, नर्सिंग अधीक्षक ओमप्रकाश जांगीड़, मुकेश मीणा, सुभाष, बबीता और सुमन सहित अस्पताल का स्टाफ मौजूद रहा। सभी ने शिविर के सफल संचालन में सहयोग किया और आमजन को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध करवाई।अस्पताल प्रशासन ने बताया कि विश्व रक्तचाप दिवस पर आयोजित इस शिविर का उद्देश्य लोगों को उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना है, ताकि समय रहते जांच और उपचार के माध्यम से गंभीर दुष्परिणामों से बचा जा सके।

मंडावर में पुराने बस स्टैंड से सट्टेबाज गिरफ्तार, पर्चियां-नगदी जब्त, बड़े नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस

एक रुपए में नब्बे का लालच... अब पुलिस का शिकंजा, सट्टे की बिसात पर फिर चली कानून की चाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना इलाके में लंबे समय से जड़ें जमा चुके अवैध सट्टे के कारोबार पर मंडावर थाना पुलिस ने शनिवार को फिर बड़ी चोट करते हुए एक सट्टेबाज को दबोच लिया। पुराने बस स्टैंड इलाके में खुलेआम चल रही सट्टे की खाईवाली पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सट्टे की पर्चियां, पैन और नगदी बरामद कर जब्त की है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सक्रिय अवैध सट्टा कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। ग्रामीण अंचल में चर्चाएं तेज हैं कि 'अबकी बार पुलिस ने सीधे जड़ पकड़ ली है।' थाना पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में एक युवक लोगों को 'एक रुपया लगाओ, बदले में 90 पाओ' का लालच देकर अवैध सट्टे का खेल चला रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर वहां से खिसकने लगा, लेकिन कहते हैं कि 'कानून के हाथ लंबे होते हैं', पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान राजेश सैनी पुत्र शिवलाल सैनी निवासी नांगल सुमेरसिंह के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से सट्टे की पर्चियां, एक पैन तथा करीब 1200 रुपये की नगदी बरामद हुई, जिसे पुलिस ने मौके पर ही जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह किसी घनश्याम सैनी नामक व्यक्ति के लिए सट्टे की खाई का कार्य करता है। इसके बाद पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुट गई है। माना जा रहा है कि पुलिस की जांच आगे बढ़ी तो कई और बड़े नाम भी सामने आ सकते हैं। ग्रामीणों में चर्चा है कि 'सट्टे का खेल अकेला आदमी नहीं चलाता, इसके पीछे पूरा जाल होता है।'

गौरतलब है कि मंडावर क्षेत्र में अवैध सट्टे का कारोबार लंबे समय से चर्चा और विवाद का विषय बना हुआ है। पूर्व में इसी कारोबार में कथित मिलीभगत के आरोपों के चलते कुछ पुलिसकर्मी स्पेशल टीम की कार्रवाई की जद में आ चुके हैं और निलंबन तक की कार्रवाई झेल चुके हैं। यही वजह है कि हर नई कार्रवाई अब लोगों की निगाहों में बड़ी मानी जा रही है। हाल ही में बंगाली कॉलोनी निवासी ओमप्रकाश अग्रवाल पुत्र शांतिलाल अग्रवाल पर हुई कार्रवाई के बाद अब इस दूसरी गिरफ्तारी ने सट्टा कारोबारियों की नींद उड़ा दी है। ग्रामीण अंचल में लोग कहते नजर आए कि 'जब लालच की गोटियां बिछती हैं तो कई घर बर्बादी की बाजी हार जाते हैं।' पुलिस ने भी साफ संकेत दिए हैं कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सट्टेबाजों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। मंडावर थाना पुलिस की लगातार कार्रवाई के बाद अब कस्बे और आसपास के गांवों में सक्रिय अवैध कारोबारियों के बीच डर का माहौल दिखाई देने लगा है।

आचार्य नटवरलाल जोशी स्मृति उपनयन संस्कार का पोस्टर का हुआ विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

ब्रह्मलीन आचार्य पंडित नटवरलाल जोशी की स्मृति में 19 जून को होने वाले उपनयन संस्कार के पोस्टर का विमोचन रविवार को श्री रघुनाथ जी के मंदिर के महंत अशोक दास महाराज के कर कमलों से हुआ।आचार्य स्मृति में यह दूसरा उपनयन संस्कार है। इससे पहले 51 बटुकों ने उपनयन संस्कार में उपनयन धारण किया था। इस उपनयन संस्कार मे बटुको व जजमानों से किसी तरह का कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। आयोजन समिति के पंडित बलराम इंदौरिया ने बताया कि कार्यक्रम के आचार्य पंडित महेंद्र जोशी होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम आदर्श विद्या मंदिर सीकर रोड पर आयोजित होगा। जो बटुक व जजमान इस कार्यक्रम में नि:शुल्क भाग लेना चाहेंगे वे 31 मई तक अपना नाम लिखवा सकते हैं।

मिट्टी व पानी की जांच करवाकर ही फसल की बिजाई व फलदार पौधे लगाएं- जिला बागवानी अधिकारी डा. प्रेम यादव

वार विशेषज्ञ डा. बी.डी. यादव का गोष्ठी में किसानों से रूबरू होने पर पता चला जडग़लन व झुलसा रोग के बारे में जानकारी दी गई

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली खण्ड गांव राजपुरा में ग्वार फसल व फलदार पौधे लगाने पर कृषि विभाग अटेली के तत्वावधान में ग्वार विशेषज्ञ डॉ बी.डी. यादव के सहयोग से ग्वार फसल की पैदावार बढ़ाने व बागवानी को अपनाकर खुद को समृद्ध बनाने पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मौजूद किसानों को बीज उपचार के लिए दो एकड़ की वेबिस्टिन दवा इस अवसर पर शिविर में तथा एक जोड़ी दस्ताने हिंदुस्तान गम् एण्ड केमिकल्स भिवानी की तरफ से मुफ्त दी गई। कृषि गोष्ठी में जिला बागवानी अधिकारी डॉ. प्रेम यादव मुख्य अतिथि रहे तथा इसकी अध्यक्षता खंड कृषि अधिकारी डा. रजनीश की देखरेख में किया गया। कृषि अधिकारी ने किसानों को अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाकर ही बिजाई करने की सलाह दी। मिट्टी व पानी के सैंपल कैसे लिए जाए इसके बारे में किसानों को मौके पर पूरी जानकारी दी। मिट्टी जांच के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। कृषि अधिकारी ने किसानों को किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की स्कीमों के बारे में तथा प्राकृतिक खेती अपनाने पर विशेष जोर दिया। ग्वार विशेषज्ञ डा. बी.डी. यादव का गोष्ठी में किसानों से रूबरू होने पर पता चला जडग़लन व झुलसा रोग दो मुख्य बीमारी आती है जिसकी रोकथाम के बारे में किसानों को कोई भी जानकारी नहीं है इसलिए इस तरह की ट्रेनिंग करना किसान के बहुत ही हित में है। ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव ने ग्वार की कम पैदावार होने का जडग़लन व झुलसा रोग मुख्य कारण बताए। जड़ काली होने पर पौधें मुरझाकर पीले हो कर मर जाते हैं। ऐसे पौधों को जब जमीन से उखाड़ कर देखते हैं तो उनकी जड़ें काली मिलती हैं। इस बीमारी की रोकथाम के लिए 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत (बेविस्टीन) प्रति किलो बीज की दर से सूखा उपचारित करने के बाद ही बिजाई करनी चाहिए। ऐसा करने से 80 से 95 प्रतिशत इस रोग पर काबू पाया जा सकता है। जडग़लन रोग का इलाज मात्र 15 रूपये के बीज उपचार से संभव है। ग्वार की कौनसी किस्म लगाएं डॉ. यादव ने किसानों को ग्वार की उन्नतशील किस्में एचजी 365 व एचजी 563 बोने की विशेष सलाह दी, तथा इसके बाद सरसों की फसल आसानी से ली जा सकती है। बिजाई का उचित समय गोष्ठी के दौरान डॉ. यादव ने किसानों को विशेष सलाह दी कि इस क्षेत्र में पानी की कमी है और पानी का स्तर बहुत नीचे गिरता जा रहा है। इसलिए किसान पानी लगाकर ग्वार की बिजाई न करने की सलाह दी। ग्वार की अच्छी पैदावार लेने के लिए जून का दूसरा पखवाड़ा बिजाई के लिए सबसे उचित है परन्तु जिस किसान के पास अच्छी गुणवत्ता फालतू पानी उपलब्ध है तो ग्वार की बिजाई मानसून की बारिश आने से पहले कुछ रकबे में जून के पहले पखवाड़े में पानी लगाकर रिस्क को कम करने के लिए बिजाई कर सकते हैं बारिश पर आधारित बिजाई मानसून की अच्छी बारिश आने पर ही करें। बागवानी पौधे लगाने की सलाह जिला बागवानी अधिकारी व मुख्य अतिथि डा. प्रेम यादव ने कहा हरियाणा में बागवानी को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार व बागवानी विभाग इस पर काम कर रहा है ताकि हरियाणा के किसान बागवानी को अपनाकर अपने आप को समृद्ध बना सके। इसके साथ-साथ उन्होंने मुख्यमंत्री बागवानी फसल बीमा योजना अपनाने की सलाह दी जिसमें किसानों को नाम मात्र प्रीमियम पर हजारों रुपये मुआवजा राशि दी जाती है। किसान इन चीजों का फयदा उठा सकते हैं जिन्होंने अपनी फसल का पंजीकरण कराया हो और प्रीमियम भरा हुआ हो। विभाग द्वारा फलदार पौधों पर सब्सिडी देती है जिसका किसान फायदा उठाएं। गोष्ठी को कामयाब करने में गांव के प्रगतिशील किसान कृष्ण कुमार का विशेष भूमिका निभाई रहा। इस अवसर पर गांव के सरपंच विक्रम सिंह व पंचायत समिति सदस्य सोनू कुमार गोष्ठी को कामयाब करने में विशेष सहयोग किया। इस मौके पर समिति सदस्य सोनू कुमार, धर्मपाल, सतबीर, बुलाराम, रामफल, लालचंद, रामनिवास, शेर सिंह, अभय सिंह, कृष्ण कुमार, उषा रानी, सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट रेवाड़ी ने 12वीं कक्षा की टॉपर दीपिका मेघवाल को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट रेवाड़ी के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने रविवार को गांव जांट पहुंचकर 12वीं कक्षा में प्रदेशभर में टॉप करने वाली छात्रा दीपिका मेघवाल को सम्मानित किया। उन्होंने दीपिका मेघवाल को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रमेश ठेकेदार और उनके साथियों ने दीपिका मेघवाल को भारतीय संविधान की एक प्रति भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे बड़ा माध्यम है और दीपिका ने अपनी मेहनत और लगन से पूरे प्रदेश में गांव, परिवार और समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और दीपिका मेघवाल की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। जिला उपाध्यक्ष मीरसिंह चावरिया ने कहा कि भारतीय संविधान हमें समानता, शिक्षा और अधिकारों का संदेश देता है। उन्होंने दीपिका मेघवाल को संविधान की प्रति भेंट करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ संविधान और अपने अधिकारों की जानकारी होना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दीपिका आगे भी इसी तरह सफलता हासिल कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी। इस अवसर पर उनके साथ दयाराम चिल्हड़, बिशन सिंह, चरण सिंह, अशोक मेघवाल, कैलाश सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

'योगाभ्यास काउंट डाउन' के तहत विद्यार्थियों को दिया योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिराना।

स्वामी विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुर चिराना में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष में चल रहे योगाभ्यास काउंट डाउन कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को विद्यालय में विद्यार्थीयों हेतु विशेष योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं आयुर्वेद औषधालय डहरिया न बावड़ी उदयपुरवाटी के वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत द्वारा विद्यार्थियों को योग के महत्व के बारे में एवं स्वस्थ दिनचर्या और नियमित योगाभ्यास करने से मिलने वाले फायदों की विस्तृत जानकारी दी गई।इस दौरान बढ़ती उम्र के विद्यार्थियों के लिए पीठ ओर पेट के बल किए जाने वाले आसनों को सबसे लाभकारी बताते हुए, विभिन्न योगासन प्राणायाम का व्यावहारिक अभ्यास भी करवाया गया,जिसमें ताड़ासन,वृक्षासन, भुजंगासन,वज्रासन,अनुलोम विलोम,कपालभाति का महत्व बताया गया।इस अवसर पर डॉक्टर कुमावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती जीवन शैली संबंधी बीमारियों से बचाव हेतु योग सबसे सरल प्रभावी एवं प्राकृतिक माध्यम है नियमित योग अभ्यास से शरीर स्वस्थ मन शांत एवं एकाग्रता मजबूत होती है। उन्होंने कहा योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो संपूर्ण मानवता को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन देने की प्रेरणा देती है।विद्यार्थियों में बचपन से ही योग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करना आज अत्यंत आवश्यक हो गया है। हर घर योग,रहो तन मन से निरोग यह संदेश देते हुए उन्होंने योग को अपनाने एवं छुट्टियों में अपने घर पर नियमित योग करने की सलाह भी दी। बच्चों के उत्साह वर्धन हेतु एवं योगाभ्यास के प्रति जागरूक करते हुए बच्चों को स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के तहत कई प्रश्न पूछे गए जिसमें सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया और सबसे अधिक पूछे गए सवालों के जवाब देकर विजेता बने।विजेता रहे छात्रों में प्रिंस और अंकित को फर्स्ट घोषित किया गया,दूसरे स्थान पर धनुष्का रही और तीसरा स्थान रवि कुमार को मिला।मौके पर ही तीनों विद्यार्थियों को डॉ.राजेंद्र कुमावत द्वारा मोमेंटो प्रदान कर उनका सम्मान किया। साथ ही सभी को यह भी सलाह दी गई की गर्मियों की छुट्टी कल से शुरू हो जाएगी अत: प्रचंड धूप में बाहर न निकले, घर में रहकर इंडोर गेम खेलें ,और प्रतिदिन योग अभ्यास भी करें।

इस दौरान विद्यालय के निदेशक सुनील शर्मा ने डॉ कुमावत का आभार जताया, प्रधानाचार्य रामगोपाल शर्मा अंग्रेजी माध्यम के को ऑर्डिनेटर मनोज कुमावत, महेंद्र कुमार,पंकज,पूजा, रेखा,पूनम व रामस्वरूप सहित सभी कक्षाओं के विद्यार्थी मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन राजीव सक्सेना ने किया। विद्यालय परिवार की ओर से कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय में पधारकर स्वास्थ्य परक जानकारी देने व कार्यक्रम के आयोजन करने पर डॉ राजेंद्र कुमावत को दुप्पटा पहनाकर कर स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

दलित अधिकार केंद्र ने दौसा एवं करौली में घटनास्थलों का निरीक्षण कर जुटाए महत्वपूर्ण साक्ष्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा/करौली।

दलित अधिकार केंद्र के प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 16 मई 2026 को दौसा जिले की मानपुर तहसील (सिकराय) एवं करौली जिले के हिंडौन सिटी स्थित आनंद विहार कॉलोनी में दलित परिवारों पर हुए गंभीर हमलों एवं फायरिंग कर हत्या के प्रयास के मामलों की तथ्यात्मक जांच करते हुए घटनास्थलों का निरीक्षण किया तथा महत्वपूर्ण तथ्य एवं साक्ष्य जुटाए।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दलित अधिकार केंद्र के मुख्य कार्यकारी एडवोकेट हेमन्त मीमरौठ, जिला समन्वयक एडवोकेट सुनीता बैरवा, जिला समन्वयक करौली मीठालाल जाटव तथा सामाजिक कार्यकर्ता अजय सिंह बरदला, मुंशीलाल बरोलिया एवं मातादीन रैगर ने किया। जांच में सामने आया कि जाटव समाज सुधार समिति करौली-सवाई माधोपुर-दौसा के युवा अध्यक्ष श्री हरिओम ठेकेदार पुत्र श्री भगवान सिंह जाटव, निवासी जाटव बस्ती, हिंडौन सिटी, जिला करौली के साथ दिनांक 20 अप्रैल 2026 को रात्रि लगभग 11:45 बजे हिंडौन रोड पर खटाना पेट्रोल पंप एवं गाजीपुर टोल प्लाजा के मध्य सुनियोजित आपराधिक घटना को अंजाम दिया गया। घटना के दौरान पीड़ित की गाड़ी पर जानलेवा फायरिंग की गई। इस संबंध में थाना महुवा में एफआईआर संख्या 179/2026 दिनांक 21.04.2026 दर्ज है। प्रकरण धारा 109(1), 3(5) बी.एन.एस. 2023 एवं 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत पंजीबद्ध है। जांच के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों एवं संबंधित पक्षों से जानकारी प्राप्त की। इसी प्रकार थाना मानपुर क्षेत्र में पीड़िता प्रेम देवी बैरवा एवं उनके परिवार के साथ हुई गंभीर मारपीट, जातिसूचक अपमान एवं जान से मारने की धमकी के मामले की भी जांच की गई। इस संबंध में थाना मानपुर में एफआईआर संख्या 88/2026 दर्ज है। जानकारी के अनुसार स्कैनर को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपियों ने पीड़ित पक्ष को बुलाकर लाठी-डंडों एवं आग बुझाने वाले गैस सिलेंडर से हमला किया तथा जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। दलित अधिकार केंद्र ने दोनों घटनाओं को गंभीर बताते हुए सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, पीड़ित परिवारों को सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने की मांग की है। संगठन ने बताया कि मामले से संबंधित विस्तृत जांच रिपोर्ट एवं संकलित तथ्य उच्चाधिकारियों को प्रेषित किए जाएंगे।

मुंबई में गूंजी मीणा समाज की एकता, कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने खोला खजाना

मीणा समाज के हॉस्टल-धर्मशाला के लिए एक करोड़ की दी सौगात

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंबई/महवा।

मनोज खंडेलवाल । कहते हैं, 'जिस समाज की जड़ें मजबूत हों, उसे वक्त की आंधियां भी नहीं डिगा सकती।' कुछ ऐसा ही दृश्य रविवार को मुंबई में आयोजित आदिम जाति मीना विकास एसोसिएशन ट्रस्ट के जनजातीय संस्कृति महोत्सव एवं वार्षिक मिलन समारोह में देखने को मिला, जहां राजस्थान की मिट्टी की खुशबू आर्थिक राजधानी मुंबई तक महसूस हुई। रंग-बिरंगी जनजातीय संस्कृति, सामाजिक एकता और शिक्षा के प्रति जागरूकता के संदेश से सराबोर इस आयोजन में राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, महवा विधायक राजेन्द्र मीना, लालसोट विधायक रामविलास मीणा सहित गोपीचंद मीणा, ललित मीना, इंदिरा मीणा, कांतिलाल मीणा और फूलसिंह मीणा ने संयुक्त

रूप से भाग लेकर समाज को एकजुटता का संदेश दिया।

मुंबई के मीणा समाज द्वारा अतिथियों का पारंपरिक और भव्य स्वागत किया गया। समारोह में जनजातीय संस्कृति की झलक के साथ सामाजिक समरसता और शिक्षा के महत्व को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने मुंबई मीणा समाज के लिए बड़ी घोषणा करते हुए हॉस्टल एवं धर्मशाला निर्माण हेतु एक करोड़ रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद समारोह स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और समाज के लोगों में उत्साह का माहौल नजर आया। महवा विधायक राजेन्द्र मीना ने अपने संबोधन में कहा कि मुंबई मीणा समाज का यह आयोजन केवल वार्षिक मिलन नहीं बल्कि सामाजिक चेतना और एकता का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रति समाज में आई जागरूकता ही आज मीणा समाज को गांव-ढाणी से निकलकर देश के बड़े आर्थिक महानगरों तक मजबूत पहचान दिला रही है। उन्होंने कहा कि 'बूंद-बूंद से घड़ा भरता है और शिक्षा से समाज संवरता है।' विधायक ने मुंबई में रह रहे मीणा समाज के लोगों द्वारा समाज को संगठित रखने और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह में मौजूद लोगों ने भी सामाजिक एकजुटता को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश साफ नजर आया कि समाज जब शिक्षा, संगठन और संस्कार को साथ लेकर चलता है तो विकास की नई इबारत खुद लिखी जाती है। 'कारवां यूं ही नहीं बनते, लोगों को साथ चलना पड़ता है ', इस कहावत को मुंबई में आयोजित इस भव्य समारोह ने पूरी तरह चरितार्थ कर दिया।

माता-पिता की स्मृति में अलखपुरा गोदारा स्थित गौशाला में टीन शेड का करवाया निर्माण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

समाजसेवी दुर्गादत्त सैनी ने अपने माता-पिता की स्मृति में अलखपुरा गोदारा की गौशाला में 50*24 साइज के टीन शेड का निर्माण कार्य करवाया। संत रविनाथ महाराज के सानिध्य में गौशाला में आयोजित संक्षिप्त व गरिमामय कार्यक्रम में सैनी परिवार का गौशाला के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा टीन शेड निर्माण के लिए आभार जताया।

इस अवसर पर मास्टर भगवान कुमावत ने हर माह गौशाला में आर्थिक सहयोग की घोषणा की । आयोजित समारोह में सरपंच प्रतिनिधि घासीराम, एडवोकेट महिपाल, ग्राम के नाथूराम गोदारा, भागीरथ गोदारा लक्ष्मण गोदारा, मोहन मिस्त्री, मास्टर लालचंद गोदरा, भैभाराम सैनी, गीरधारी सैनी, नोपाराम सैनी, विनोद सैनी, सांवरमल सैनी, सावरमल चौधरी, कुंरडाराम, महिपाल, रिछपाल शर्मा, लालचंद, नागरमल लाइनमैन लक्ष्मण, लाइनमैन शिव कुमार ,मैनेजर रामकुमार स्वामी सीताराम, लाइनमैन राजू मिस्त्री, भागीरथमल,

डीलर बलराम, नेमीचंद, सुभाष सैनी, परमेश्वर सैनी, भगवान दत्त सैनी, भगवती देवी पार्वती देवी, रेखा देवी, राधा देवी, नारायणी देवी, बनारसी देवी, विमला देवी, संतोष, कमला देवी, तारा देवी, मंजू देवी, नाथूराम ट्रैक्टर वाला, नाथूराम गोदारा, नेमीचंद फौजी, भीवाराम कुमावत, भोलाराम फतेहपुर बलजी डीलर सहित गौशाला के पदाधिकारी, गांव के प्रबुद्ध जन व सैनी परिवार के सदस्य मौजूद थे।

सिरियासर कलां में युवाओं ने किया श्रमदान, पेयजल टंकी की सफाई कर दिया सामाजिक जागरूकता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । सिरियासर कलां गांव की मेघवाल बस्ती में स्थित पेयजल टंकी की वर्षों बाद सफाई कर युवाओं ने श्रमदान और सामाजिक जागरूकता की अनूठी मिसाल पेश की। ग्रामीणों की पहल पर आयोजित इस श्रमदान कार्यक्रम में युवाओं ने घंटों मेहनत कर पेयजल टंकी को अंदर से साफ किया और जमा गंदगी बाहर निकाली।सामाजिक कार्यकर्ता समसाद खान सिरियासर कलां ने बताया कि उक्त पेयजल टंकी से सैकड़ों घरों में पीने के पानी की सप्लाई होती है, लेकिन लंबे समय से साफ-सफाई नहीं होने के कारण टंकी के तल में भारी मात्रा में मिट्टी व कचरा जमा हो गया था। इसके चलते पाइप लाइन के माध्यम से होने वाली जलापूर्ति प्रभावित हो रही थी तथा भविष्य में महामारी फैलने की आशंका भी बनी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रोहिताश जाखल एवं राजाराम मीणा के नेतृत्व में गांव के युवाओं ने श्रमदान कर टंकी की सफाई का जिम्मा उठाया। युवाओं ने कड़ी मेहनत करते हुए टंकी के अंदर जमा गंदगी को बाहर निकाला। सफाई के दौरान लगभग एक डफर मिट्टी व कचरा निकला, जिससे ग्रामीणों ने राहत महसूस की। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी बंशीधर गर्वा ने श्रमदान कर रहे युवाओं को जूस पिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर

रोहिताश, कमलेश कुमार, सुनील मीणा, बजरंग, राजाराम, भंडारी, सहीराम, मुकेश, टोनी, सत्यवीर सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। अंत में समसाद खान ने सभी श्रमदानियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव हित और समाज सेवा के ऐसे कार्यों से सामाजिक एकता मजबूत होती है तथा स्वच्छता और जनजागरूकता का संदेश भी मिलता है। उपस्थित युवाओं ने भविष्य में भी गांव और समाज के हित में सदैव तत्पर रहने का विश्वास दिलाया।

बहरोड़ जाते समय महंत बालकनाथ का युवा मोर्चा जिला मंत्री चेतन तनवानी व भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अमित सैनी ने किया भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । तिजारा से बहरोड़ जाते समय महंत बालकनाथ का मुंडावर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। युवा मोर्चा भाजपा के जिला मंत्री चेतन तनवानी एवं भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अमित सैनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने महंत बालकनाथ का साफा और माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर युवा नेता रोहित सैनी, रवींद्र प्रजापत, अंकित सैनी, मनीष सैनी, अर्जुन कुमार, दिशांत प्रजापत, साहिल कुमार,

हिमांशु प्रजापत, नवीन सांवरिया, आशीष सांवरिया, विक्रम गुर्जर, सागर जोशी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने 'जय श्रीराम' और 'महंत बालकनाथ जिंदाबाद' के नारों से माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। महंत बालकनाथ ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया। स्वागत कार्यक्रम के बाद वे बहरोड़ के लिए रवाना हो गए।

अग्निवीर क्लर्क/एसकेटी भर्ती के परिणाम घोषित: कर्नल के. संदीप

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

सेना भर्ती कार्यालय, चरखी दादरी के निदेशक कर्नल के. संदीप ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्निपथ योजना के तहत जनवरी-फरवरी 2026 में आयोजित की गई अग्निवीर क्लर्क/एसकेटी भर्ती रैली का परिणाम घोषित कर दिया गया है। यह रैली भिवानी के भीम स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जिसमें चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और भिवानी जिलों के उम्मीदवारों ने भाग लिया था। उम्मीदवार अपना रिजल्ट भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.join indian-army.nic.in पर देख सकते है द्व कर्नल के. संदीप ने सभी सफल उम्मीदवारों से अनुरोध किया है कि वे 23 मई 2026 को सुबह 5.30 बजे अपने सभी मूल दस्तावेजों के साथ सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी में रिपोर्ट करें। उन्होंने सभी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पिता की पुण्यतिथि पर मनोज वाल्मीकि ने बांधे परिंडे, पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । बबाई कस्बे में रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता मनोज वाल्मीकि ने अपने पिता स्वर्गीय बसेसर लाल की छठी पुण्यतिथि पर पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर सेवा कार्य किया। इस दौरान तालाब, सरकारी अस्पताल एवं सड़क किनारे पेड़ों पर करीब एक दर्जन परिंडे लगाए गए। कार्यक्रम में गायत्री मेडिकल के डॉ. विनय गहलोत, कांग्रेस एससी विभाग झुंझुनूं के जिला महासचिव राजवीर सिराधना, मुकेश जाखड़ तथा अंबेडकर लाइब्रेरी के दर्जनों छात्र मौजूद रहे। सभी ने मिलकर पेड़ों पर परिंडे बांधे और गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने का संदेश दिया। मनोज वाल्मीकि ने

कहा कि भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी और दाने की सबसे अधिक जरूरत होती है। ऐसे सेवा कार्यों से जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को भी अपने घरों और आसपास परिंडे लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

रोड़वाल-अबलपुरा में बाबा चुन्नड़दास-बृजुदास महाराज के भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । तहसील नीमराना के रोड़वाल-अबलपुरा गांव में रविवार को श्री श्री 1008 बाबा चुन्नड़दास महाराज एवं बाबा बृजुदास महाराज का 22वां विशाल देशी घी का भंडारा एवं मेला श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कोटपूतली-बहरोड़ सहित दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में शीश नवाया और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिव सेवा धाम माँढण के महंत अनिल पुरोहित व माजरी धाम के महंत सुमित गिरी के सानिध्य में हुआ। संतों ने बाबा के त्याग, सेवा और परोपकार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। भंडारे में सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। पंकज

यादव एंड पार्टी के कलाकारों ने भजन और रागनियों की प्रस्तुतियों से माहौल भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु लोकगीतों और रागनियों पर झूमते नजर आए। मेले से पूर्व आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में क्षेत्र की टीमों ने भाग लिया। विजेता टीम को 11 हजार और उपविजेता को 7 हजार 100 रुपये का पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी सहित कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजन मेला कमेटी बाबा चुन्नड़दास आश्रम एवं ग्रामवासियों के सहयोग से सरपंच रामरती देवी के संयोजन में हुआ। देर शाम महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ मेले का समापन किया गया।

महाराणा प्रताप जयंती शोभायात्रा में शामिल होने भिवाड़ी पहुंचे महिपाल सिंह मकराना

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । महाराणा प्रताप जयंती के पावन अवसर पर भिवाड़ी में आयोजित होने वाली भव्य शोभा यात्रा में शामिल होने के लिए श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना बुधवार को भिवाड़ी के लिए रवाना हुए। इस दौरान नीमराना में कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना सुबह करीब 10:20 बजे नेशनल हाइवे-48 स्थित होटल आइरिश, नीमराना पहुंचे। यहां खैरथल-तिजारा जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह पदमाडा, कोटपूतली-बहरोड़ जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह तथा नीमराना तहसील अध्यक्ष शंकर सिंह के नेतृत्व में राजपूत समाज के 25-30 कार्यकर्ताओं ने उनका साफा और

माल्यार्पण कर स्वागत किया। स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'जय महाराणा', 'जय भवानी' और 'जय राजपूताना' के गगनभेदी नारे लगाए। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महाराणा प्रताप के शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र सेवा में योगदान देना चाहिए। करीब 20 मिनट के संक्षिप्त प्रवास के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना सुबह 10:40 बजे भिवाड़ी के लिए रवाना हो गए, जहां वे महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित शोभा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर करणी सेना के पदाधिकारियों के साथ क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झड़ाया बालाजी मंदिर पर आयोजित होने वाले 108 कुंडीय यज्ञ को लेकर तैयारियां जोरों पर

हुल्डा का बास रिद्धि सिद्धि होटल पर यज्ञ को लेकर हुआ पोस्टर का विमोचन

यज्ञ को लेकर अन्न दान व श्रमदान करके पुनीत कार्य में भागीदार बनना चाहिए- मदन लाल भावरिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उदयपुरवाटी उपखंड क्षेत्र के झडाया बालाजी धाम आश्रम पर 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कडीय श्री राम महायज्ञ को लेकर 108 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ झड़ायां धाम बालाजी मन्दिर के प्रचार हेतु यज्ञ सेवा समिति ने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए रविवार को हुल्डा का बास,रिद्धि-सिद्धी होटल पर पहूँचे तथा ग्रामीणों ने स्वागत किया तथा पाँच जोड़ों ने यज्ञ हेतु अपना नाम सुचीबद्ध करवाया। महामण्डलेश्वर सीताराम दास महाराज के सानिध्य में यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरीया ने ग्रामीणों से निवेदन किया कि यज्ञ में जोड़ों के अलावा भी सभी को मन क्रम वचन से सहयोग करना चाहिए तथा जो आर्थिक सहयोग कर सकते हैं द्य उनको रसीद लेनी चाहिए व जो आर्थिक सहयोग नहीं कर सकते हैं उनको अन्नदान व श्रमदान करके पुनित कार्य में भागीदार बनना चाहीए द्व इस अवसर पर महेन्द्र सिंह तेतरवाल,विकास जांगिड़,? सन्तुराम यादव,भगवान सहाय यादव, कमल नोवड़ी, रामेश्वर लाल,हनुमान राम,गोदुराम बोकन,पप्पु यादव व प्रकाश यादव सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने यज्ञ -यात्रा का स्वागत किया व यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष ने प्रचार के पोस्टर का विमोचन किया द्व

जनगणना 2027 को लेकर सीएस ने डीसी के साथ की वीसी

समय पर काम करने वाले प्रगणक होंगे सम्मानित : डीसी अनुपमा अंजली

जनगणना कार्य में ढिलाई पर संबंधित पर होगी कड़ी कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने जिले में चल रहे जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा है कि इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी संबंधित अधिकारी आगामी 30 मई तक शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। रविवार को हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि जो प्रगणक (इन्यूमरेटर) निर्धारित समय से पहले और पूरी सटीकता के साथ अपना कार्य पूरा करेंगे, उन्हें प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। दूसरी ओर कार्य में कोताही बरतने या लापरवाही करने वालों के खिलाफ भारत की जनगणना अधिनियम-1948 एवं जनगणना नियम-1990 की धारा-11 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उपायुक्त ने जिले के आंकड़ों पर बात करते हुए बताया कि महेंद्रगढ़ जिले में सुचारू संचालन के लिए कुल 1715 ब्लॉक बनाए गए हैं, जिनमें फिलहाल सर्वे का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में जहां कहीं भी तकनीकी रूप से कोई परेशानी आ रही है, उसे तुरंत दुरुस्त करते हुए काम में तेजी लाई जाए और जिन प्रगणकों ने अपना फील्ड वर्क पूरा कर लिया है, वे बिना किसी देरी के अपने सर्कल सुपरवाइजर को इसकी सूचना दें ताकि आगे की सत्यापन प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। बैठक में जनगणना के दूरगामी महत्व को रेखांकित करते हुए डीसी ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश और राज्य की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसंख्या संबंधी स्थिति का एक व्यापक व प्रामाणिक दस्तावेज है, जिसके आधार पर ही भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, आवास, रोजगार तथा अन्य तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। ऐसे में प्रत्येक परिवार और व्यक्ति की सही व सटीक जानकारी दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चार्ज अधिकारियों एवं सर्कल सुपरवाइजर्स को नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करने और पूरी पारदर्शिता के साथ आंकड़ों का संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनगणना के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाने की बात कही ताकि लोग इस राष्ट्रीय कार्य के महत्व को समझकर प्रगणकों को सही जानकारी उपलब्ध करवाएं, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचाया जा सके। इस समीक्षा बैठक में एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, एसडीएम महेंद्रगढ़ योगेश सैनी, एसडीएम कनीना डॉ जितेंद्र सिंह, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह तथा सीटीएम डॉ मंगलसैन के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर हुआ विशाल धर्म सभा का आयोजन

17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय यज्ञ को लेकर हुआ विचार विमर्श

असम व मेघालय के दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल का भी हुआ जोरदार सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटीद्य

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर 17 जून से 25 जून तक आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महाजन को लेकर विशाल धर्म

सभा का आयोजन मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज की अध्यक्षता में आयोजित हुआ द्य धर्म सभा के दौरान यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया, सेवानिवृत्ति तहसीलदार गजानंद लाटा, विद्वान पंडित संजय शास्त्री ने अपना उद्बोधन में आगामी यज्ञ को लेकर रूपरेखा के बारे में कार्यकर्ताओं को बताया द्य और वक्ताओं ने कहा कि अबकी बार झड़ाया में होने वाला 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ बहुत बड़ा ऐतिहासिक यज्ञ होगा द्य इसी दौरान यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया के नेतृत्व में असम में मेघालय के दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल का भी यज्ञ सेवा समिति के द्वारा मंदिर परिसर पर जोरदार सम्मान किया गया द्य इस दौरान डॉ रामकुमार सिराधना, सत्यनारायण अग्रवाल विद्वान पंडित संजय शास्त्री ,संत बक्स सिंह शेखावत, बजरंग लाल पटेल, मुरारी लाल चोटिया, अशोक जांगिड़ ,हनुमान यादव, समाजसेवी महेंद्र तेतरवाल, सेवानिवृत्ति पीटीआई भगवान सहाय यादव ,डॉ रामावतार गजराज, पूर्व सरपंच श्री लाल यादव, विकास जांगिड़, सहित यज्ञ सेवा समिति के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

परिंदों के लिए परिंडे अभियान का शुभारंभ, गोशाला बगीची में 11 परिंडे लगाए

अजीतगढ़ शहर समेत आसपास के इलाके में लगाएंगे परिंडे

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजीतगढ़।

सुमेर मीणा । संत श्री नारायण दास यूथ मंडल (स्टेट अवॉर्डी) एवं एक दिन गांव के लिए अभियान अजीतगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में भीषण गर्मी के दौर में पक्षियों के लिए दाना एवं पानी के परिंडे लगाने की मुहिम का रविवार को श्री कृष्ण गोशाला बगीची में गुसाई बगीची संत अनंत दास महाराज की मौजूदगी में शुभारंभ किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि भीषण गर्मी के दौर में पक्षियों के दाने पानी का संकट रहता है, ऐसे में पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करना सेवा का कार्य है। इससे पूर्व बगीची में परिंडे लगाएं तथा

गोशाला मंदिर में पूजा अर्चना के लिए आने वाले भक्तों को नियमित पानी भरने की जिम्मेदारी दी गई। अभियान के संबंध में पूरण प्रजापत ने बताया कि अजीतगढ़ के प्राचीन विरासत मंदिर, बावड़ी, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छता को लेकर शुरू अभियान ने विगत वर्षों में सदैव गर्मी में पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का कार्य करते है। प्रजापत ने बताया कि अजीतगढ़ शहर समेत आसपास के इलाके में पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का कार्य जारी रहेगा। इस दौरान श्री कृष्ण गोशाला अजीतगढ प्रबंधन कार्यकारिणी अध्यक्ष चैतन्य मीणा, सचिव मूलशंकर शर्मा, व्यवस्थापक महेश दीवान, एक दिन गांव के लिए अभियान के पूरण प्रजापत, क्षेत्रीय विकास परिषद के महेश रामावत, महावीर यादव, बलदेव कुमावत समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

योजनाओं का रथ पहुंचा तो जागी उम्मीद, नांगल सुमेरसिंह में सरकार की योजनाओं को लेकर उमड़ा जनविश्वास

गीत-संगीत और ऑडियो-वीडियो के जरिए ग्रामीणों को मिली योजनाओं की जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । गांव-ढाणी तक सरकार की योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा योजनाओं का जागरूकता रथ शुक्रवार को मंडावर तहसील क्षेत्र की नवगठित ग्राम पंचायत नांगल सुमेरसिंह पहुंचा तो पूरे गांव में उत्साह का माहौल नजर आया। ग्रामीण परिवेश से जुड़े इस आयोजन में महिला-पुरुषों सहित युवाओं और बुजुर्गों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। ग्राम पंचायत परिसर में पहुंचे रथ का सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने पारंपरिक ग्रामीण अंदाज में स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्र के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे और लोगों को योजनाओं के लाभ तथा पात्रता संबंधी जानकारी दी।

रथ के माध्यम से ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना सहित कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। खास बात यह रही कि योजनाओं की जानकारी केवल औपचारिक भाषणों तक सीमित नहीं रही, बल्कि गीत-संगीत और ऑडियो-वीडियो प्रस्तुति के जरिए सरल ग्रामीण भाषा में लोगों तक पहुंचाई गई, जिससे ग्रामीणों ने रुचि लेकर योजनाओं को समझा और आवेदन प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी हासिल की।

पूर्व पंचायत समिति सदस्य ओमप्रकाश बैरवा ने कहा कि भजनलाल सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की यह पहल गांवों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कई पात्र लोग योजनाओं से वंचित रह जाते हैं, लेकिन इस प्रकार के जनजागरूकता अभियान से अब गांव-ढाणी का हर जरूरतमंद व्यक्ति सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के प्रति जागरूक हो रहा है। ग्रामीणों ने भी इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि पहली बार योजनाओं की जानकारी इतनी सहज और सरल तरीके से गांव में पहुंची है, जिससे उन्हें अपने अधिकारों और सरकारी सुविधाओं की सही जानकारी मिली है। ग्राम पंचायत नांगल सुमेरसिंह में दिनभर चले इस जागरूकता कार्यक्रम ने ग्रामीणों में सरकारी योजनाओं को लेकर नई उम्मीद और भरोसे का संदेश दिया।

स्टेशन सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

सुविधाओं के विस्तार और यात्री गाड़ियों के ठहराव पर हुई चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.रामगढ़ शेखावाटी।

स्थानीय रेलवे स्टेशन पर रविवार को स्टेशन सलाहकार समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक स्टेशन प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार घोटड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में स्टेशन मास्टर दिनेश कुमार ,नगरपालिका चेयरमैन दूदाराम चोहला, जमील कुरैशी, पूर्व चेयरमैन मुजमिल भाटी, कमलेश अग्रवाल, प्रभुदयाल भामू धनपत प्रजापत आदि उपस्थित रहे। उपस्थित सदस्यों ने एक सुर में रामगढ़ शेखावाटी स्टेशन के विकास के लिए मिलकर प्रयास करने का संकल्प जताया। इस दौरान स्टेशन के आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं में विस्तार और नई ट्रेनों के ठहराव को लेकर विस्तृत चर्चा हुई और कई महत्वपूर्ण मांगें व प्रस्ताव रखे गए। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा रेल प्रशासन के समक्ष यात्रियों की सहूलियत के लिए गाड़ी संख्या 12404/12403 बीकानेर - प्रयागराज - बीकानेर एक्सप्रेस और 04735/36 श्रीगंगानगर- लक्ष्मीबाई नगर - श्रीगंगानगर साप्ताहिक स्पेशल एक्सप्रेस का रामगढ़ शेखावाटी स्टेशन पर ठहराव, बीकानेर -जयपुर- बीकानेर के मध्य प्रतिदिन इंटरसिटी एक्सप्रेस का संचालन व ठहराव रामगढ़ शेखावाटी स्टेशन पर, चूरू -जयपुर-चूरू के मध्य कुछ और डेमू गाड़ियों का संचालन, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा व सुगम आवाजाही के लिए प्लेटफॉर्म को हाई लेवल (उच्च स्तरीय) बनाने फुट ओवर ब्रिज यात्रियों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित आने-जाने के लिए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण, ट्रेन आने पर यात्रियों को अपने कोच की सही स्थिति का पता चल सके, इसके लिए प्लेटफॉर्म पर डिजिटल कोच इंडिकेटर

लगाने,आपातकालीन स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए स्टेशन परिसर में हाइड्रेंट सिस्टम स्थापित करने की मांग व सुझाव मीटिंग में रखें गये। मीटिंग में रेल ठहराव संघर्ष समिति की ओर से स्टेशन परिसर को हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए पौधों सहित 25 गमले भेंट किए जाने तथा स्टेशन पर आने वाले यात्रियों के बैठने के लिए भामाशाहों की ओर से सिटिंग चेयर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया जबकि नगर पालिका चेयरमैन ने स्टेशन परिसर में रोशनी के पुख्ता इंतजाम के लिए हाई मास्ट लाइट लगवाने का आश्वासन दिया। साथ ही, रेलवे ट्रैक और स्टेशन क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए गौशाला से संपर्क कर लावारिस गोवंश को गौशाला भिजवाने का उचित प्रबंध करने का भरोसा दिलाया। मीटिंग में स्टेशन की आधुनिक दृश्यता बढ़ाने के लिए भामाशाहों के सहयोग से एक आकर्षक एलईडी स्टेशन नेम बोर्ड लगवाये जाने का निर्णय लिया।

रफ्तार का कहर: ब्रेकर पर थमी गति, गलत दिशा से आई मौत ने उजाड़ दिया हंसता-खेलता परिवार

इकलौते कमाऊ सदस्य की मौत से बूढ़े मां-बाप और विधवा पत्नि सहित बच्चों पर टूटा दुखों का पहाड़

करीब सवा महीने तक जिंदगी और मौत के बीच जूझता रहा सोहनलाल, आखिरकार मंडावर अस्पताल में तोड़ा दम।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मंडावर सीएचसी पर मौजूद परिजन व पुलिस तथा चिकित्सा टीम

मनोज खंडेलवाल । समीपवर्ती अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र के गाँव खेडामंगल सिंह मे तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक हंसते-खेलते ग्रामीण परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। गत माह सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए खेडामंगल सिंह निवासी 41 वर्षीय सोहनलाल पुत्र लल्लूराम बैरवा ने करीब सवा महीने तक चले लंबे इलाज और जिंदगी की जद्दोजहद के बाद आखिरकार शनिवार दोपहर दम तोड़ दिया। मृतक अपने घर का इकलौता कमाऊ सदस्य था, जिसकी मौत के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस हृदयविदारक घटना से आहत ग्रामीणों के घरों में रविवार को चूल्हे तक नहीं जले। घटनाक्रम के अनुसार, बीते 6 अप्रैल 2026 की शाम करीब 6:00 बजे सोहनलाल अपनी मोटरसाइकिल (आरजे-02, एसएस-6069) से कुछ आवश्यक घरेलू सामान

मृतक सोहनलाल बैरवा

और खरीदारी करने के लिए मंडावर आया था। रात करीब 8:00 बजे अपना काम निपटाकर जब वह वापस अपने गांव खेडामंगल सिंह लौट रहा था, तभी गांव के समीप ही हाईवे पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के सामने बने स्पीड ब्रेकर पर उसने अपनी मोटरसाइकिल की गति कम की। इसी दौरान सामने से बेहद तेज गति और घोर लापरवाही से गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में आ रही एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार (HR55 AD-1052) ने सोहनलाल की मोटरसाइकिल को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सोहनलाल मोटरसाइकिल सहित हाईवे पर दूर जा गिरा और लहूलुहान हो गया, जबकि उसकी मोटरसाइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने घायल सोहनलाल को पहचान कर तुरंत परिजनों को सूचित किया। इस बीच, मौका पाकर कार चालक और उसमें सवार अन्य लोग वाहन को मौके पर ही छोड़कर रफूचक्कर हो गए। परिजनों ने आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल सोहनलाल को निजी साधन से गढ़ी सवाईराम स्थित राजकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए अलवर के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद उसे सरकारी एम्बुलेंस की मदद से अलवर के राजीव गांधी सामान्य राजकीय अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच में सामने आया कि सोहनलाल के सिर में गंभीर हेड इंजरी (चोट) आई थी, साथ ही उसके सीधे पैर में घुटने से ऊपर गंभीर फ्रैक्चर था और नस ब्लॉक होने के कारण दूसरा पैर भी काम करना बंद कर चुका था। हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने उसे उसी दिन जयपुर रेफर कर दिया, जहां उसे सवाई मानसिंह (स्मस) अस्पताल की ट्रॉमा यूनिट में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। इसी दौरान पीड़ित पक्ष की ओर से रैणी थाने में नामजद वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। एसएमएस ट्रॉमा सेंटर में शुरुआती इलाज के बाद सोहनलाल को जयपुर के ही बांगड़ अस्पताल की न्यूरो चिकित्सा इकाई में स्थानांतरित किया गया, जहां वह 27 अप्रैल 2026 तक भर्ती रहा। बाद में चिकित्सकों की सलाह पर परिजन उसे घर ले आए और घर पर ही दवाइयां व इलाज जारी रखा। बीच में दोबारा जांच के लिए भी उसे जयपुर ले जाया गया था। इसी बीच, शनिवार (16 मई) दोपहर अचानक सोहनलाल की तबीयत बेहद बिगड़ गई, जिस पर परिजन उसे तुरंत नजदीकी सुविधायुक्त राजकीय अस्पताल मंडावर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही रैणी और मंडावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मंडावर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। रविवार (17 मई) को रैणी थाना पुलिस और परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराकर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद एम्बुलेंस की मदद से शव को पैतृक गांव खेडामंगल सिंह ले जाया गया, जहां गमगीन माहौल में उसका दाह संस्कार कर दिया गया। इस दुखद हादसे ने परिवार को पूरी तरह तोड़कर रख दिया है। मृतक सोहनलाल की पत्नी सुनीता देवी के सिर से पति का साया उठने से वह विधवा हो गई है, वहीं दो बेटे और एक बेटी अनाथ हो गए हैं। बड़े पुत्र अजीत की शादी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इसी हादसे के बीच बीती 19 अप्रैल 2026 को अत्यंत गमगीन माहौल में संपन्न हुई थी, जबकि छोटा बेटा सूरज और बेटी काजल अभी अविवाहित हैं और पढ़ाई करते हुए काम की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं। इसके अलावा वृद्ध माता-पिता की देखरेख की पूरी जिम्मेदारी भी मृतक सोहनलाल के ही कंधों पर थी। घर के मुख्य स्तंभ के ढह जाने से बिलखती विधवा पत्नी, रोते-बिलखते बच्चों और बेबस बूढ़े मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है, जिन्हें सांत्वना देने के लिए ढांढस बंधाते ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गईं।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद की सराहनीय पहल

दो बच्चियों का स्कूल में दाखिला करवाया, 10 नशा पीड़ितों को काउंसलिंग व दवा उपलब्ध करवाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा लगातार जागरूकता एवं पुनर्वास अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसआई सुंदर के कुशल नेतृत्व में टीम द्वारा समाज सेवा और नशा मुक्ति को लेकर सराहनीय कार्य किए गए। टीम ने पढ़ाई बीच में छोड़ चुकी गरीब परिवारों की दो बच्चियों का दाखिला कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खाई में करवाकर उन्हें दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया। नशा मुक्ति टीम ने इसके बाद गांव पिल्छियां में दो नुक्कड़ सभाओं का आयोजन कर आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। टीम सदस्यों ने ग्रामीणों को बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। लोगों से अपील की गई कि वे स्वयं भी नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके खिलाफ जागरूक करें। जागरूकता कार्यक्रम से प्रेरित

होकर गांव के 09 नशा पीड़ितों ने स्वयं आगे आकर नशा पीड़ित होने की बात स्वीकार की तथा उपचार की इच्छा जताई। टीम द्वारा सभी पीड़ितों की काउंसलिंग की गई और उन्हें आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। इसके अलावा गांव अहरवा के एक अन्य नशा पीड़ित को भी चिन्हित कर उसकी काउंसलिंग की गई तथा उपचार के लिए आवश्यक दवा उपलब्ध करवाई गई। नशा मुक्ति टीम ने लोगों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में है तो उसे छिपाने की बजाय उपचार और परामर्श के लिए आगे लाएं, ताकि उसे स्वस्थ जीवन की ओर वापस लाया जा सके।

थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई: 1 किलो 900 ग्राम गांजा सहित आरोपी काबू

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज, आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 1 किलो 900 ग्राम गांजा सहित काबू किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस चौकी चंडीगढ़ रोड में तैनात सहायक उपनिरीक्षक राम मेहर अपनी टीम के साथ इन्डस्ट्रियल एरिया नजदीक रेलवे स्टेशन टोहाना क्षेत्र में गश्त एवं अपराध रोकथाम के दौरान मौजूद थे।

इसी दौरान पुलिस टीम को एक व्यक्ति हाथ में पीले रंग का वजनदार मोमी पोलीथीन लेकर आता दिखाई दिया। सामने पुलिस गाड़ी को देखकर वह रेलवे लाइन के पास झाड़ियों में छिपने का प्रयास करने लगा। शक के आधार पर पुलिस टीम ने उसे काबू कर पूछताछ की।आरोपी की पहचान कुलवंत पुत्र दातू राम निवासी बाबा बूटा शाह बस्ती वार्ड नंबर 02 टोहाना के रूप में हुई। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से 1 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद गांजा को कब्जा पुलिस में लेकर अभियोग संख्या 142 दिनांक 16.05.2026 धारा 20(बी)/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना शहर टोहाना में मामला दर्ज किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा मामले की आगामी जांच जारी है।

भाजपा सरकारों ने पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ा कर आम आदमी की परेशानीयां बढाई-पूर्व उप प्रधान व पार्षद राम कुमार सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । रामकुमार सैनी हल्का प्रभारी कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि पांच विधानसभाओं के चुनावों तक चुप्पी साधने के बाद भाजपा ने मंहगाई की धार को तेज करने के लिए तेल मूल्य में बढ़ौतरी कर प्रधानमंत्री श्री मोदी के भाषण में उठाए गए नुक्तों को धीरे-धीरे जनता पर बोझ बनने लगे है। सैनी ने मांग की है कि भारत की गरीब जनता को और कितनी मार झेलनी पड़ेगी सरकार स्पष्ट करें। गरीब समाज को खाद्यान पदार्थ मंहगे मिलेंगे जबकि फसलों के समर्थन मूल्य में बढ़ौतरी ऊंट के मुंह में जीरा देने जैसी है। ट्रक आपरेटरों ने दिल्ली-मुम्बई, कोलकता , हरियाणा व अन्य राज्यों के लिए ट्रक भाड़ा में बढ़ौतरी करने से व्यापारियों में हडकंप मच गया है तेल बढ़ौतरी को खाद्यान मूल्यों में बढ़ौतरी, गरीब समाज व किसानों पर दोहरी आर्थिक स्थिति में घिर जाने के लिए केन्द्र सरकार को जिम्मेदार बताया है।

उकलाना नगरपालिका चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रीमा सोनी की जीत में चाणक्य कि भूमिका निभाई राजबीर सोनी भुना

हर वार्ड व गली-मौहल्ले में टीम गठित कर भाजपा की रणनीति को किया निष्क्रिय

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/उकलाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । उकलाना नगरपालिका चेयरमैन पद उम्मीदवार रिमा सोनी के चुनावों में दलित व पिछड़े वर्ग कि समस्यायों को नि निडर होकर उठाने वाले व सोनी समाज में अच्छी पकड़ रखने वाले राजनीतिक चिंतक प्रधान राजबीर सोनी ने लगातार दस दिन तक डेरा डाले हुए उकलाना नगरपालिका चुनाव में पूर्व पार्षद महेंद्र सोनी के साथ मिलकर सभी वार्डों में प्लानिंग बनाकर टोलियां में एक एक वार्ड पर ड्यूटी लगाने, उकलाना में हरियाणा के सोनी समाज को एकजुट कर शहर में वोटों कि अपील कर सोनी समाज की एकजुटता का परिचय दिया एक एक वोटरों तक चैयरमैन पद उम्मीदवार रीमा सोनी को डोर टू डोर कि वे प्लानिंग कर व हर वार्ड में छोटी छोटी नुक्कड़ सभा में खुद वक्ता बन कर उकलाना कि जनता में सरकार विरोधी बातें कर जनता का विश्वास जीत लिया उकलाना में सभी समाज के कमेटियों से बात कर कमेटियों को ईमानदारी से

मिलकर काम करना है इस विश्वास से सभी समाज का समर्थन हासिल किया दिन रात मिडिया पर नज़र डाली और सभी पार्टियों के पदाधिकारियों से निवेदन कर समर्थन हासिल किया बीजेपी पार्टी को छोड़कर बाकी सभी संगठनों ने भी समर्थन किया समस्त चुनाव में राजबीर सोनी ने सबको साथ लेकर मिशनरी के साथ काम कर उकलाना कि जनता को समझाने में सफल रहे वहीं महेंद्र सोनी पिछली बार बिना प्लानिंग के चुनाव अन्तिम समय में हार गया था लेकिन अबकी बार सोशल वर्कर व पिछड़े वर्ग के महान शुभचिंतक राजबीर सोनी ने चुनाव में एक बहुत बड़ा रोल पर्दे के पिछे किया किसी को भनक तक नहीं लगी बीजेपी सरकार के सभी केबिनेट मंत्री व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के उकलाना चुनाव प्रचार में जुटने पर भी बीजेपी उम्मीदवार की बुरी हार हुई खास बात ये रही कि चुनाव के दौरान राजबीर सोनी मिडिया में कहीं भी नजर नहीं आऐ ओर फोटो खिंचवाने से बचते रहे समस्त चुनाव में जीत का श्रेय राजबीर सोनी भुना को जाता है उकलाना चुनाव में रोल माडल रहे राजबीर सोनी पहले भी कई साथियों को चुनाव प्रचार में उत्तर कर जीता चुके हैं पिछड़े वर्ग के चाणक्य राजबीर सोनी पर सोनी समाज को नाज है उकलाना नगरपालिका चेयरमैन पद उम्मीदवार रीमा सोनी ने2806 वोटो से जीता व उकलाना में खुशी कि लहर की लौह जलाई।

थाना सदर टोहाना पुलिस की कार्रवाई: ट्यूबवेल तार चोरी मामले में आरोपी काबू

आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेजा गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना सदर टोहाना पुलिस ने किसानों के ट्यूबवेलों से तार चोरी व उपकरणों में तोड़फोड़ करने के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी अमन पुत्र लक्ष्मणदास निवासी अकांवाली को काबू कर लिया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश करने उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना सदर टोहाना प्रभारी ने बताया कि जनवरी 2026 में शिकायतकर्ता गिंदर सिंह पुत्र दलीप सिंह निवासी गांव अमानी सहित गांव अमानी, मादुवाला तथा भोडिया खेड़ा के अन्य किसानों ने पुलिस को शिकायत दी थी कि अज्ञात व्यक्तियों

द्वारा उनके खेतों में लगे ट्यूबवेलों से बिजली की तारें चोरी कर ली गई तथा ग्रीप, स्टार्टर व अन्य सामान के साथ तोड़फोड़ की गई। शिकायत में किसानों ने लाखों रुपये के नुकसान की जानकारी दी थी। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 15 जनवरी 2026 की रात अज्ञात चोरों ने कई ट्यूबवेल कनेक्शनों को निशाना बनाते हुए तार, कस्सी व अन्य सामान चोरी कर लिया। मामले में थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 09 दिनांक 17.01.2026 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले के अनुसंधान के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अमन पुत्र लक्ष्मणदास निवासी अकांवाली को काबू किया। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश करने उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले की आगामी जांच अमल में लाई जा रही है।

कार्यालय- शहीद महिपाल सिंह रा. उ. मा. विद्यालय गोवला, प. स. चिड़ावा, झुन्झुनूं

क्रमांकः- 308 दिनांक - 15.05.2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (समग्र शिक्षा) चिड़ावा के आदेश क्रमांक 158 दिनांक 02.05.2026 की अनुपालना में दिनांक 27/05/2026 को प्रातः 10.00 बजे विद्यालय परिसर में विद्यालय की आइसीटी लैब के नाकारा/अक्रियाशील उपकरणों की सार्वजनिक नीलामी जिसका पुस्तक क्रय मूल्य 286950 रू. (दो लाख छियासी हजार नौ सौ पचास रूपये) है, इस हेतु गठित कमेटी द्वारा की जायेगी। जिसमें इच्छुक ई-वेस्ट निस्तारण रजिस्ट्रड एवं जीएसटी धारक व्यक्ति/फर्म नियमानुसार अमानत राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकते हैं। नीलामी की शेष शर्ते कार्यालय समय में विद्यालय में देखी जा सकती हैं।

प्रधानाचार्य
शहीद महिपाल सिंह रा. उ. मा. विद्यालय गोवला, प. स. चिड़ावा, झुन्झुनूं

पंजाब किंग्स की उम्मीदों को लगा तगड़ा झटका

वेंकटेश और कोहली की जोड़ी ने आरसीबी को प्लेऑफ में पहुंचाया

बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स को 23 रनों से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। वेंकटेश अय्यर (73*) और विराट कोहली (58) के अर्धशतकों की मदद से आरसीबी ने 222/4 का विशाल स्कोर बनाया। जवाबी पारी में पंजाब 199/8 रन ही बना सकी। रसिख सलाम (3/36) और भुवनेश्वर (2/38) की धाराप्रवाह गेंदबाजी ने पंजाब को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया।

● नई दिल्ली

आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 23 रनों से हराकर प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया। वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली के अर्धशतकों के साथ गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को जीत दिलाई।

पंजाब किंग्स की यह लगातार छठी हार रही, जिससे उनकी प्लेऑफ की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 222/4 का विशाल स्कोर बनाया। वेंकटेश अय्यर ने 29 गेंदों पर 73* रन बनाए, विराट कोहली ने 58 और देवदत्त पड़िक्कल ने 45 रन का योगदान दिया। पंजाब किंग्स की ओर से हरप्रीत बराड़ ने 2/35 के आंकड़े दर्ज किए।

जवाबी पारी में पंजाब किंग्स 199/8 रन ही बना सकी। शशांक सिंह ने 56 और मार्कस स्टॉयनिस ने 37 रन बनाए, लेकिन तेज गेंदबाज रसिख सलाम (3/36) और भुवनेश्वर कुमार (2/38) की धाराप्रवाह गेंदबाजी ने पंजाब किंग्स को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोका। पंजाब किंग्स को 223 रनों का लक्ष्य था और प्रारंभिक झटकों के बाद टीम पर दबाव बढ़ गया। शशांक और स्टॉयनिस ने साझेदारी निभाई, लेकिन अंतिम ओवरों में स्टॉयनिस का पगबाधा आउट और बाकी विकेट गिर जाने के कारण पंजाब किंग्स जीत के करीब नहीं पहुंच सकी।

आरसीबी की जीत में वेंकटेश अय्यर का तेज अर्धशतक और कोहली का सूझ-बूझ वाला खेल निर्णायक साबित हुआ। पड़िक्कल ने भी आक्रामक शुरुआत कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आईपीएल 2026 का 53वां 200+ स्कोर

20 ओवर की समाप्ति पर आरसीबी ने 222 रन बनाए, जो आईपीएल 2026 का 53वां 200+ स्कोर है, किसी भी टी20 टूर्नामेंट में सर्वाधिक। इस हार के बाद पंजाब किंग्स अब अधिकतम 15 अंकों तक ही पहुंच सकती है और प्लेऑफ की उम्मीदें अब अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गई हैं।

धमाकेदार जीत के साथ दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

राजस्थान को 5 विकेट से हराया, राहुल-अक्षर-स्टार्क का दमदार प्रदर्शन

● नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ में अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

राजस्थान रॉयल्स की पारी की शुरुआत जोरदार रही और पहले 14 ओवर तक वे दिल्ली कैपिटल्स पर हावी नजर आए। जुरेल, पराग और सूर्यवंशी के अर्धशतकों की मदद से टीम 193/8 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में कामयाब हुई। हालांकि, स्टार्क ने 15वें ओवर में पराग, फरेरा और दिग्वेश सिंह के विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी भी शानदार रही। पृथ्वी शॉ और रुतुराज गायकवाड़ की जोड़ी ने शुरुआत में ही टीम को मजबूती दी। कप्तान श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल की निर्णायक पारियों (राहुल 56, पोरेल 51, अक्षर 34*) ने टीम को 197/5 तक पहुंचाया। आर्चर ने गेंदबाजी में 2/35 का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

खास बात यह रही कि राजस्थान रॉयल्स की ओर से लगातार झटके मिलने के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स ने संयम और समझदारी से खेलते हुए मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट में अभी भी जीवित है, जबकि राजस्थान रॉयल्स अब अगले दोनों मुकाबलों में जीत हासिल करने के साथ ही अन्य नतीजों पर भी निर्भर रहेगी। इस हार के बाद राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स पांचवें स्थान पर काबिज हो गई है।

चेन्नई-हैदराबाद के बीच आज अहम मुकाबला

● चेन्नई

आईपीएल 2026 का 63वां मुकाबला सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चेपॉक में होगा। दोनों टीमें पिछला मैच हार चुकी हैं, इसलिए जीत बेहद जरूरी है। हेड टू हेड में सीएसके आगे है- 23 मैचों में 15 जीत उनके नाम। चेपॉक में सीएसके ने छह में से पांच मैच जीते हैं। एसआरएच की उम्मीदें सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड पर हैं। यदि ये दोनों 50+ की साझेदारी करें, तो टीम जीत सकती है।

हेड ने पिछली चार पारियों में 125 रन बनाए हैं, जबकि अभिषेक पिछली तीन पारियों में संघर्षरत रहे हैं। ओपनिंग बल्लेबाजों की खराब फार्म के कारण कार्तिक शर्मा, शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस पर दबाव बढ़ा है। उनके सामने एसआरएच के स्पिनर्स होंगे, जो मध्यक्रम का इम्तिहान ले सकते हैं। सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पावरप्ले में संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने टीम की अधिकांश गेंदें खेली, लेकिन सिर्फ 26 प्रतिशत रन ही बनाए। उनका स्ट्राइक रेट इस सीजन सबसे कम (125) रहा। एसआरएच के लिए इशान किशन की बैटिंग अहम होगी, लेकिन सीएसके के गेंदबाज मुकेश चौधरी ने तीन पारियों में उन्हें सिर्फ छह रन पर आउट किया है।

अजहर छावनी ने जीता खिताब

रियाज कौसर मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-3

● भोपाल / खेल संवाददाता

बेस्ट शॉट्स इनडोर स्पोर्ट्स क्लब, जिया हाउस कोहेफिजा द्वारा आयोजित चार दिवसीय रियाज कौसर मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 सीजन-3 का सफल समापन हो गया। 13 से 16 मई तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर की करीब 30 टीमों ने हिस्सा लेकर शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

फाइनल मुकाबले में रोमांचक खेल के बीच अजहर छावनी टीम ने खिताब अपने नाम किया, जबकि मीरांश नदीम इलेवन टीम उपविजेता रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया कौमी तंजीम के प्रदेश अध्यक्ष एवं कांग्रेस प्रदेश महासचिव मुनव्वर कौसर मौजूद रहे। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

क्लब के संचालक एवं संस्थापक शाहबाज कौसर और सुफियान अली ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना और उनकी प्रतिभा को मंच उपलब्ध कराना है।

विजेता टीम को 45 हजार तथा उपविजेता टीम को 21 हजार रुपए की पुरस्कार राशि दी गई। इसके अलावा बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, मैन ऑफ द मैच, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट एवं बेस्ट फील्डर के व्यक्तिगत पुरस्कार भी वितरित किए गए।

पृथ्वी हाउस और जयहिंद हाउस की शानदार जीत

अरेरा प्रीमियर लीग

● भोपाल / खेल संवाददाता

अरेरा प्रीमियर लीग इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को अंडर-12 और अंडर-14 वर्ग के मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

अंडर-12 वर्ग में शिवाजी हाउस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 88 रन बनाए। टीम की ओर से अभ्युदय भदौरिया ने 22 और निर्भय सिंह ने 20 रनों का योगदान दिया। पृथ्वी हाउस की ओर से रितुल जैन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट हासिल किए, जबकि आरव जाट और सानिध्य मिश्रा ने 2-2 विकेट लिए। जवाबी पारी में पृथ्वी हाउस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मात्र एक विकेट खोकर 89 रन बनाकर 9 विकेट से जीत दर्ज की। रितुल जैन को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अंडर-14 वर्ग में जयहिंद हाउस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट

पर 137 रन बनाए। युवराज जाट ने 41, जय बैरागी ने 31 रन बनाए। वंदेमातरम हाउस की ओर से शानवी मंडलोई ने 3 और तनवीर श्रीवास्तव ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए वंदेमातरम हाउस की टीम सभी विकेट खोकर 53 रन ही बना सकी। टीम की ओर से शिवांश अग्रवाल ने सर्वाधिक 19 रन बनाए। जयहिंद हाउस के तेजस सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लिए, जबकि जय बैरागी ने 2 विकेट हासिल किए। अरेरा अकादमी के फाउंडर मेंबर, वरिष्ठ खिलाड़ी एवं संस्कार भारती स्कूल के संचालक शांतनु शर्मा ने तेजस सिंह और जय बैरागी को संयुक्त रूप से प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार प्रदान किया।

सेंट माइकल सीनियर रेड हाउस फाइनल में

आयुष का ऑलराउंड प्रदर्शन

● भोपाल / खेल संवाददाता

स्थानीय बाबे अली क्रिकेट स्टेडियम में खेली जा रही सेंट माइकल इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता में सेंट माइकल सीनियर रेड हाउस ने शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। टीम की जीत में आयुष सोनी ने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 40 रन बनाने के साथ 2 विकेट भी हासिल किए।

ग्रीन हाउस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शरद के 49, मिज़ान के 37 और राघव के 33 रनों की मदद से 194 रन बनाए। रेड हाउस की ओर से अरशान ने 3 और आयुष सोनी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रेड हाउस ने आरफ के 51, सोहेल के 42 और आयुष सोनी के 40 रनों की बदौलत 3 विकेट से मुकाबला जीत लिया। ग्रीन हाउस की ओर से सेंकी ने 3 विकेट हासिल किए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार आयुष सोनी को सीनियर रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी समीर कुरैशी एवं सेंट माइकल के कोच समद दाद खान ने प्रदान किया।

एसएजीसीए क्रिकेट अकादमी युवाओं को दे रही नई दिशा

प्रोफेशनल क्रिकेट से निखर रही भोपाल की प्रतिभाएं

● भोपाल / खेल संवाददाता

भोपाल में क्रिकेट प्रतिभाओं को नई पहचान देने के उद्देश्य से 1 नवंबर 2025 से एसएजीसीए (सेज अभय गोस्वामी क्रिकेट अकादमी) की शुरुआत की गई। अकादमी का मुख्य उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल क्रिकेटर बनने के लिए आधुनिक तकनीकों और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के साथ तैयार करना है।

अकादमी में खिलाड़ियों को एडवांस प्रैक्टिस सेशन, स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग एवं तकनीकी सुधार पर आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और मैच अनुभव प्रदान करने के लिए नियमित प्रैक्टिस मैच भी आयोजित किए जाते हैं। वर्तमान में अकादमी में करीब 30 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं और खिलाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एसएजीसीए में खिलाड़ियों को प्रोफेशनल एवं

सकारात्मक खेल वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनमें अनुशासन, फिटनेस और बेहतर प्रदर्शन की भावना विकसित हो रही है। अकादमी युवा खिलाड़ियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर प्रोफेशनल क्रिकेट की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। अकादमी के हेड कोच अभय गोस्वामी हैं।

थाईलैंड ओपन फाइनल में हारे सात्विक-चिराग

● बैंकॉक

भारतीय पुरुष डबल्स की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में इंडोनेशियाई जोड़ी लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन ने 21-12, 25-23 से हराया।

दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी ने मैच में 4 चैंपियनशिप पॉइंट बचाए, लेकिन 53 मिनट चले मुकाबले को तीसरे गेम तक नहीं ले जा सकी। यह सात्विक-चिराग की इस सीजन पहली फाइनल उपस्थिति थी। वे पहले 2019 और 2024 में इसी टूर्नामेंट का खिताब जीत चुके हैं। इस हार के बाद उनका इस सीजन पहला खिताब जीतने का इंतजार और लंबा हो गया है। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 ग्रेड-2 टूर्नामेंट है, जहां दुनिया के टॉप खिलाड़ी रैंकिंग अंक और बड़े टूर्नामेंट्स के लिए क्वालिफिकेशन हासिल करने खेलते हैं। एक साल में 9 सुपर 500 टूर्नामेंट आयोजित होते हैं, जिनमें इनामी राशि और रैंकिंग पॉइंट्स मिलते हैं।

निरीक्षण विश्वस्तरीय हॉकी सुविधाओं और अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का हॉकी इंडिया प्रतिनिधिमंडल ने किया निरीक्षण

मध्य प्रदेश में खेल विकास को मिल रही नई गति

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमपी हॉकी अकादमी का शानदार प्रदर्शन

● भोपाल

मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विकसित विश्वस्तरीय हॉकी अधोसंरचना एवं बरखेड़ा नाथू स्थित निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का हॉकी इंडिया के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने निरीक्षण किया।

इस दौरान खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालक अंशुमान यादव के साथ हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, कोषाध्यक्ष सेकर जे. मनोहरन एवं

महानिदेशक कमांडर आर.के. श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने हॉकी अकादमी में उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर की एस्ट्रोटर्फ, आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था, खिलाड़ियों के आवास, फिटनेस सेंटर एवं खेल विज्ञान आधारित सुविधाओं का अवलोकन किया। हॉकी इंडिया के पदाधिकारियों ने मध्यप्रदेश में विकसित खेल अधोसंरचना की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जो भारतीय हॉकी के भविष्य को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। प्रतिनिधिमंडल ने बरखेड़ा नाथू में निर्माणाधीन सर्वसुविधायुक्त अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की प्रगति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह आधुनिक खेल परिसर खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धात्मक माहौल प्रदान करेगा। मध्यप्रदेश राज्य हॉकी अकादमी लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ा रही है। अकादमी के कई खिलाड़ियों ने भारतीय टीम में स्थान बनाकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। जूनियर और सीनियर स्तर पर खिलाड़ियों की निरंतर सफलता से मध्यप्रदेश देश में हॉकी प्रतिभाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरकर सामने आया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं खेल मंत्री विश्वास सारंग के नेतृत्व में खेल विभाग द्वारा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। आधुनिक प्रशिक्षण, अनुभवी प्रशिक्षकों और उत्कृष्ट खेल वातावरण के चलते मप्र विभिन्न खेलों में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। बरखेड़ा नाथू में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पूर्ण होने के बाद प्रदेश में खेल विकास को नया आयाम मिलेगा। इस अत्याधुनिक परिसर में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, आवास, फिटनेस, रिकवरी एवं प्रतियोगिताओं से जुड़ी सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने वर्जीनिया का चुनावी नक्शा बहाल करने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वर्जीनिया की उस अहम अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें डेमोक्रेटिक पार्टी को फायदा पहुंचाने वाले चुनावी नक्शे (कांग्रेशनल मैप) को बहाल करने की मांग की गई थी। अदालत के इस बड़े फैसले से हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (निचले सदन) में डेमोक्रेट्स को चार और सीटें जीतने का जो शानदार मौका मिल रहा था, वह अब पूरी तरह से खत्म हो गया है। यह आदेश अमेरिका में चल रहे चुनाव क्षेत्र परिसीमन (रिडिस्ट्रिक्टिंग) विवाद का एक नया और अहम मोड़ है। इस विवाद की शुरुआत पिछले साल तब हुई थी, जब मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपब्लिकन शासित राज्यों से अपनी चुनावी सीमाएं दोबारा तय करने की अपील की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'वोटिंग राइट्स एक्ट' को कमजोर करने वाले हालिया फैसले ने रिपब्लिकन पार्टी के लिए जीतने लायक और सीटें खोल दी हैं। हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट ने अलबामा और लुइसियाना में भी रिपब्लिकन के पक्ष में ही फैसले दिए हैं। हालांकि, वर्जीनिया का यह मामला थोड़ा अलग था, क्योंकि यहां विवाद वर्जीनिया सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद शुरू हुआ था, जिसमें पिछले ही महीने मतदाताओं द्वारा मामूली अंतर से पास किए गए एक संवैधानिक संशोधन को 4-3 के बहुमत से रद्द कर दिया गया था। राज्य की अदालत ने अपनी जांच में पाया था कि डेमोक्रेट-नियंत्रित विधायिका ने वर्जीनिया के आम चुनावों में 'अर्ली वोटिंग' शुरू होने के बाद, अनुचित और गलत तरीके से इस संशोधन को मतपत्र पर रखने की प्रक्रिया शुरू की थी।

क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर शिकंजा, अमेरिका कर रहा अभियोग की तैयारी

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ अभियोग (इंडिक्टमेंट) दायर करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह संभावित अभियोग 1996 में मियामी स्थित निर्वासित समूह 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' के चार विमानों को मार गिराने में कास्त्रो की कथित भूमिका से जुड़ा है। उस समय कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यूबा को चेतावनी दी है कि यदि वहां का नेतृत्व अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी निवेश के लिए नहीं खोलता है, तो वे संभावित सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की बहन ने जेल में अकेले रखे जाने को चुनौती दी, उच्च न्यायालय में याचिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने अदियाला जेल में उनके लंबे एकांत कारावास को अवैध बताते हुए उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। अलीमा खान ने गुरुवार को याचिका दायर की, जिसमें कहा कि किसी भी अदालत ने खान को एकांत कारावास की सजा नहीं सुनाई है। आरोप है कि जेल अधिकारी उन्हें पिछले छह महीनों से प्रतिदिन करीब 22 घंटे एकांत में रख रहे हैं, जबकि कानूनन यह 14 दिनों से अधिक नहीं हो सकता। याचिका में यह भी कहा गया कि खान की दाहिनी आंख की 85 फीसदी रोशनी चली गई है और उनके इलाज की जानकारी परिवार को नहीं मिली। खान ने बताया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी भी उसी जेल में एकांत में हैं। पीटीआई नेताओं को गुरुवार को खान से मिलने नहीं दिया गया, जबकि उच्च न्यायालय ने सप्ताह में दो बार मिलने की अनुमति दी है।

अमेरिका- लकड़ी मिल में भीषण आग और जोरदार विस्फोट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मेन राज्य में शुक्रवार को एक लकड़ी मिल में भीषण आग और जोरदार विस्फोट हो गया। इस हादसे में एक फायरफाइटर की मौत हो गई, जबकि कम से कम 11 लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक हादसा मेन के मिडकोस्ट इलाके में स्थित रॉबिन्स लंबर मिल में हुआ। जानकारी के अनुसार मिल में लगी आग को बुझाने के लिए बड़ी संख्या में फायर ब्रिगेड और बचाव दल मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान मिल का एक बड़ा साइलो अचानक फट गया, जिससे हालात और गंभीर हो गए। बाद में एक फायरफाइटर का शव घटनास्थल से बरामद किया गया। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पोर्टलैंड के मेन मेडिकल सेंटर में 10 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। रॉबिन्स लंबर कंपनी 1881 से चल रही पारिवारिक कंपनी है और मेन राज्य की बड़ी लकड़ी कंपनियों में गिनी जाती है। कंपनी के प्रवक्ता ने इसे परिवार और इलाके के लिए 'बहुत दुखद दिन' बताया है। फिलहाल आग लगने और विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है।

चीन से लौटते ही ट्रंप के डेलीगेशन ने कचरे में फेंके फोन और लैपटॉप, क्यों राष्ट्रपति के खेमे में मचा हड़कंप?

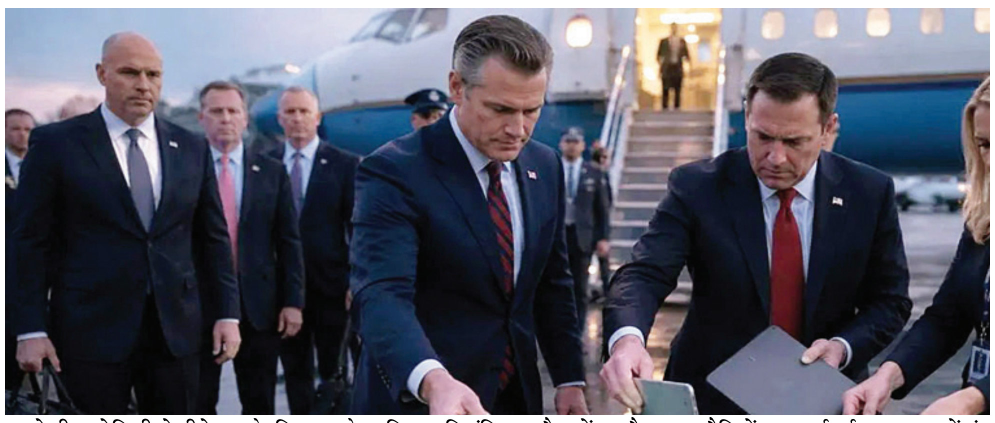

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया चीन यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। 13 से 15 मई 2026 तक चली इस राजकीय यात्रा को दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्तों को स्थिर करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन यात्रा समाप्त होते ही एक ऐसी दिलचस्प और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई जिसने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा हलकों में हलचल मचा दी है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन से वापस लौटते ही अमेरिकी डेलिगेशन के सदस्यों ने अपने मोबाइल फोन, लैपटॉप और यहां तक कि एक्रेडिटेशन कार्ड्स को भी कचरे के डिब्बे में फेंक दिया।

क्यों उठाया गया ऐसा कदम : अमेरिकी सुरक्षाकर्मियों द्वारा उठाया गया यह कदम सीधे तौर पर चीन द्वारा की जाने वाली संभावित जासूसी की आशंका से जुड़ा है। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को इस बात का गहरा डर था कि चीन की यात्रा के दौरान इन उपकरणों में गुप्त रूप से जासूसी सॉफ्टवेयर या मैलवेयर प्लांट किए गए हो सकते हैं। यदि इन उपकरणों को वापस अमेरिकी नेटवर्क से जोड़ा जाता, तो वे भविष्य में संवेदनशील सरकारी जानकारी चुराने का जरिया बन सकते थे। यही कारण है कि सुरक्षा एजेंसियों ने डेलिगेशन के सभी सदस्यों को चीन में इस्तेमाल किए गए सामानों को फेंकने का निर्देश दिया।

क्लीन डिवाइस का इस्तेमाल : जानकारी के अनुसार, चीन जाने से पहले ही अमेरिकी डेलीगेशन के लिए सुरक्षा के बेहद सख्त इंतजाम किए गए थे। डेलिगेशन के सदस्य अपने मूल फोन और लैपटॉप अमेरिका में ही सुरक्षित छोड़कर गए थे। इसके बजाय, उन्हें चीन में उपयोग के लिए विशेष रूप से तैयार 'टेंपररी' या 'क्लीन डिवाइस' दिए गए थे। ये उपकरण अस्थाई लैपटॉप और नियंत्रित संचार प्रणालियों से लैस थे। जिन्हें जासूसी, हैकिंग या अवैध डेटा संग्रह के जोखिम को कम करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया था। तकनीकी चुनौतियों का सामना इन कड़े सुरक्षा उपायों के कारण डेलिगेशन को काफी 'सिरदर्दी' और तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सामान्य संदेश जो आमतौर पर एन्क्रिप्टेड ऐप्स या सिंक किए गए डिवाइस के जरिए तुरंत पहुंच जाते हैं, उन्हें भेजने के लिए नियंत्रित चैनलों और अस्थायी खातों का सहारा लेना पड़ा।

कई बार गोपनीय संदेशों को व्यक्तिगत रूप से पहुंचाना पड़ा ताकि डिजिटल हैकिंग की किसी भी संभावना को शून्य किया जा सके। अमेरिकी अधिकारी चीन को साइबर सुरक्षा के लिहाज से एक जोखिम भरा देश मानते हैं, इसलिए वहां किसी भी Digital Footprint को छोड़ना खतरनाक माना जाता है।

ट्रंप और शी जिनपिंग के क्या है मायने : लगभग 9 साल के लंबे समय के बाद किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली चीन यात्रा थी। इस तीन दिवसीय राजकीय दौरे के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच व्यापारिक समझौतों, टैरिफ, ताइवान के मुद्दे, ईरान युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी बड़ी वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा हुई। इस यात्रा में ट्रंप के साथ अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ भी शामिल थे, जिनमें एलन मस्क प्रमुख थे। हालांकि यह यात्रा मूल रूप से मार्च में होनी थी, लेकिन ईरान संकट के कारण इसे मई में पूरा किया गया।

'विमान में चीन का कुछ भी अलाउड नहीं : अमेरिकी प्रेस पूल के साथ यात्रा कर रहीं 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की संवाददाता एमिली गुडिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इस बात की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, 'विमान में चीन से जुड़ा कुछ भी ले जाने की अनुमति नहीं है। हम जल्द ही अमेरिका के लिए उड़ान भर रहे हैं।' वाशिंगटन लौट रहे ट्रंप प्रशासन या खुद वाइट हाउस की तरफ से सामानों को नष्ट किए जाने की इन रिपोर्ट्स पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

इजरायल लेबनान सीजफायर 45 दिनों के लिए बढ़ा, अमेरिकी मध्यस्थता में फैसला

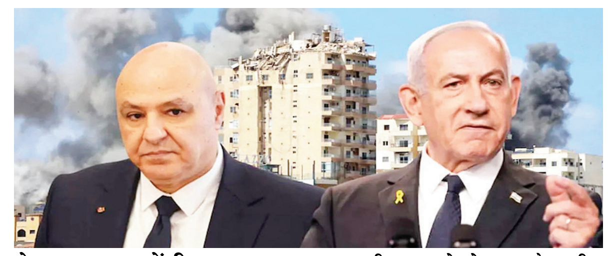

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल लेबनान सीजफायर को लेकर मिडिल-ईस्ट से बड़ी खबर आई है। वॉशिंगटन में अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही उच्च स्तरीय शांति वार्ता पूरी तरह सफल रही है। दोनों देश अगले 45 दिनों के लिए अपने संघर्ष-विराम को और बढ़ाने पर राजी हो गए हैं। 16 अप्रैल को लागू हुआ यह युद्धविराम रविवार को खत्म होने वाला था, लेकिन सीमा पर हिंसा रोकने के लिए इसे बढ़ाया गया है। लेबनानी सरकार ने उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह के कड़े विरोध के बावजूद इस ऐतिहासिक शांति वार्ता में हिस्सा लिया।

दोनों पक्षों ने की आमने-सामने चर्चा : पिछले कई दशकों में पहली बार दोनों पक्षों के सैन्य और सुरक्षा अधिकारी आमने-सामने बैठे। लेबनान का पूरा जोर इस युद्ध को पूरी तरह से रोकने पर था। वहीं इजरायल ने किसी भी समझौते के लिए हिजबुल्लाह के निशस्त्रीकरण की शर्त रखी है। यह हिंसक तनाव 2 मार्च को शुरू हुआ था जब हिजबुल्लाह ने इजरायल पर मिसाइलें दागी थीं। इसके जवाब में इजरायल ने भी दक्षिणी लेबनान में भीषण हवाई और जमीनी सैन्य अभियान चलाया। इस खूनी युद्ध की वजह से लेबनान के करीब 12 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

ट्रंप की अहम पहल हुआ था सीजफायर : इस भारी तबाही के बीच पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल पर पहली बार सीजफायर हुआ था। इस अहम घोषणा से दोनों देशों के बीच खूनी संघर्ष काफी हद तक शांत हुआ। हालांकि, अभी भी दक्षिणी लेबनान में छिटपुट झड़पें लगातार जारी हैं। अमेरिकी प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि 16 अप्रैल को लागू सीजफायर 45 दिनों के लिए बढ़ाया जा रहा है। वॉशिंगटन को उम्मीद है कि इससे दोनों देशों के बीच एक स्थायी शांति और सुरक्षा स्थापित होगी। यह संप्रभुता के सम्मान के लिए अहम कदम है।

स्थायी समझौते पर आगे की बातचीत का प्लान : इस सीजफायर को स्थायी समझौते में बदलने के लिए बैठकों का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। 29 मई से पेंटागन में 'सुरक्षा ट्रैक' की एक नई और अहम बातचीत शुरू होने वाली है। इसके बाद 2 और 3 जून को अमेरिकी विदेश विभाग में राजनीतिक वार्ता होगी।

कोलंबो एयरपोर्ट पर 10.8 करोड़ रुपये की कोकीन के साथ भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका के कोलंबो हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक (60) को भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से लगभग 2.15 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10.8 करोड़ रुपये (108 मिलियन श्रीलंकाई रुपये) आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी पेशे से भूविज्ञानी है। वह कतर एयरवेज की उड़ान से दोहा होते हुए युगांडा से कोलंबो पहुंचा था। संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर जब उसके चेक-इन बैगेज की गहन तलाशी ली गई, तो अधिकारियों को बैग के अंदर बड़ी सफाई से छिपाई गई कोकीन की खेप मिली। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अमेरिकी किशोर बना बौद्ध भिक्षु शुरू किया आध्यात्मिक सफर : वाशिंगटन, एजेंसी। युद्धरत अमेरिका के मिनेसोटा के 19 वर्षीय जालु दोर्जे बौद्ध भिक्षु बन गए हैं। वह छह महीने पहले तक एक्सबॉक्स पर गेम खेलते और पिज्जा खाते थे, लेकिन अब हिमालय की तलहटी में स्थित मठ में बौद्ध लामा के रूप में लोगों को आशीर्वाद दे रहे हैं। जालु को बचपन में ही दलाई लामा ने एक पुनर्जन्म लामा के रूप में पहचान लिया था। पिछले साल हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी कर भारत के मिंडरोलिंग मठ में शामिल हो गए।

इस्राइल : शहीद भारतीय यहूदी सैनिकों को राजदूत ने दी श्रद्धांजलि : येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल में भारतीय राजदूत जेपी सिंह ने रिमेंबरेंस डे पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने इस्राइल के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय यहूदी समुदाय के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन ज्यूज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राजदूत ने कहा कि यह समुदाय इस्राइल के विकास और भारत-इस्राइल संबंधों को मजबूत करने में एक सेतु की भूमिका निभा रहा है। उधर, नई दिल्ली में इस्राइली राजदूत रूवेन अजर ने दोनों देशों के रिश्तों को प्रगाढ़ बताया।

'सच्चे खजाने' हैं मोदी! यूएई की मंत्री ने बांधे तारीफों के पुल, 200 अरब डॉलर के व्यापार का रखा लक्ष्य

अबुधाबी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 15 मई 2026 की यूएई यात्रा भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच बढ़ती गहरी रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी का एक नया अध्याय है। यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमी द्वारा पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना और उनके भव्य स्वागत ने यह साफ कर दिया है कि दोनों देशों के कूटनीतिक संबंध अब और भी मजबूत और प्रभावशाली हो गए हैं।

पीएम मोदी को बताया 'सच्चा खजाना : यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमी ने समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक विशेष इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी यूएई के नेतृत्व और यहां के लोगों के लिए एक सच्चे खजाने की तरह हैं। जब से पीएम मोदी ने पद संभाला है, यूएई

और भारत का शीर्ष नेतृत्व साल में कई बार नियमित रूप से एक-दूसरे से मिलते रहे हैं। इसलिए यह दौरा उसी दोस्ती और रिश्ते का हिस्सा होगा। हम उनके यूएई आने को लेकर बहुत उत्सुक और उत्साहित हैं। हाशिमी ने इस बात पर जोर दिया कि जब से पीएम मोदी ने पद संभाला है, दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच नियमित संवाद बढ़ा है जो इस गहरी दोस्ती का प्रमाण है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि मजबूत भारत और मजबूत यूएई के बिना एक सुरक्षित भविष्य की कल्पना करना कठिन है। 200 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य आर्थिक मोर्चे पर दोनों देशों के बीच सहयोग अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मंत्री अल हाशिमी ने खुलासा किया कि भारत और यूएई अब 200 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि कुछ साल पहले हुए ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद 100 अरब डॉलर का लक्ष्य पहले ही पार किया जा चुका है।

ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति पर चर्चा : पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान तेल और एलपीजी को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए निर्णायक साबित होंगे। द्विपक्षीय बैठक के दौरान पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूएई पर हुए हालिया ईरानी हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। उन्होंने पश्चिम एशिया में शांति बहाली के लिए भारत की ओर से हर संभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई। कूटनीतिक प्रोटोकॉल से हटकर, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान खुद प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने हवाई अड्डे पहुंचे, जहां उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। पीएम मोदी ने इस गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए अपने 'भाई' नाहयान का आभार व्यक्त किया। यह यात्रा न केवल व्यापार और ऊर्जा बल्कि रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में भी दोनों देशों को एक-दूसरे के और करीब ले आएगी।

भूकंप: जापान में 6.3 की तीव्रता से हिली धरती, घरों-दफ्तरों से बाहर भागे लोग; क्या आने वाली है सुनामी?

टोक्यो, एजेंसी। जापान में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटकों ने एक बार फिर दहशत फैला दी। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई है। इस झटके के कारण देश के कई शहरों में लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है और न ही सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गई है।

भूकंप का केंद्र और गहराई : जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार शाम को आए इस भूकंप का केंद्र उत्तरी जापान के समुद्री क्षेत्र में स्थित था। विशेषज्ञों ने बताया कि भूकंप की गहराई जमीन से करीब 50 किलोमीटर नीचे थी। गहराई

अधिक होने के कारण सतह पर इसका प्रभाव कम रहा लेकिन झटके कॉफी दूर तक लगे।

जनजीवन पर पड़ा असर : जैसे ही भूकंप के झटके महसूस हुआ, कई बड़े शहरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने तुरंत कदम उठाते हुए कई रूटों पर ट्रेन सेवाओं को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया। यात्रियों को किसी भी संभावित दुर्घटना से बचाने के लिए ट्रेनों को स्टेशनों पर ही रोक दिया गया था। जांच के बाद जब पटरियों और बुनियादी ढांचे को सुरक्षित पाया गया, तभी परिचालन फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई।

सुनामी का कोई खतरा नहीं : तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ी चिंता सुनामी को लेकर थी। हालांकि, मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान परिस्थितियों में सुनामी आने की कोई संभावना नहीं है। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों या दिनों में 'आफ्टरशॉक्स' आ सकते हैं, इसलिए नागरिकों को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है।

जापान में बार-बार क्यों आते हैं भूकंप : रिंग ऑफ फायर पर होने के नाते जापान में अधिकांश भूकंप के झटके आते रहते हैं। यहां पर चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के आपस में टकराने और समुद्री प्लेटों के महाद्वीपीय प्लेटों के नीचे धंसने के कारण अत्यधिक भूगर्भीय दबाव बनता है।

हंतावायरस का प्रकोप: क्रूज जहाज के छह यात्री ऑस्ट्रेलिया में तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन, अब तक कितनी मौतें?

वाशिंगटन, एजेंसी। हंतावायरस की मार झेल रहे एक क्रूज जहाज के छह यात्रियों को क्वारंटीन करने का फैसला लिया गया है। शुक्रवार को इन्हें ऑस्ट्रेलिया पहुंचा दिया गया। कम से कम तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन में रखे जाने वाले इन संक्रमितों को किसी से मिलने की अनुमति नहीं होगी। जिस क्रूज जहाज पर हंता वायरस के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, इसकी पहचान एमवी होंडियस के रूप में की गई है।

ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कहा : हंतावायरस के कारण क्वारंटीन किए गए यात्रियों को नीदरलैंड से एक गल्फस्ट्रीम बिजनेस जेट की मदद से ऑस्ट्रेलिया लाया गया। विमान पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ के बाहर आरएएएफ बेस पियर्स पर उतरा। यात्रियों, चालक दल और एक डॉक्टर को बस से बुल्सब्रुक क्वारंटीन सुविधा ले जाया गया। ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने कहा कि सरकार दुनिया की सबसे मजबूत क्वारंटीन प्रतिक्रियाओं में से एक लागू करेगी। उन्होंने बताया कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में लौटने वाले यात्रियों को कुछ दिनों के लिए क्वारंटीन में रखा जाएगा।

संक्रमितों में पांच ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड के एक नागरिक : गौरतलब है कि हंतावायरस से जुड़े खतरों को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने वायरस के किसी भी प्रसार के जोखिम को रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। पांच ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड के एक नागरिक को तीन सप्ताह तक क्वारंटीन सेंटर में रखा जाएगा। इस केंद्र का निर्माण साल 2022 में कोविड-19 महामारी के दौरान किया गया था। हंतावायरस से बचाव के लिए किस तरह के एहतियात बरते जाने हैं? इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठनने कहा है कि संक्रमण की पुष्टि होने के बाद 42 दिनों की अवधि सबसे अधिक संवेदनशील है। शेष अवधि के लिए क्या सावधानियां बरतनी हैं, इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है। जिन छह यात्रियों को ऑस्ट्रेलिया में क्वारंटीन किया गया है, इनकी शुरुआती जांच रिपोर्ट निगेटिव आई थी। नीदरलैंड से निकलने से पहले वायरस के संक्रमण की जांच के नतीजे नकारात्मक आए थे। उड़ान के दौरान ही डॉक्टर ने उनका आकलन किया था। अमेरिका में स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देश पर दो यात्रियों को ओमाहा के राष्ट्रीय क्वारंटीन केंद्र में भेजा गया है।

हमास का शीर्ष कमांडर मारा गया? इजरायल ने गाजा पट्टी में किया बड़े मिलिट्री ऑपरेशन का दावा

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल ने गाजा पट्टी में एक बहुत ही भयानक हवाई हमला किया है। इस बार इजरायली सेना के निशाने पर हमास का सबसे बड़ा सैन्य कमांडर था। यह गाजा हमला सीधे तौर पर इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को खत्म करने के लिए किया गया। पश्चिम एशिया में इस घटना से एक बार फिर डर और गहरी चिंता का माहौल बन गया है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच अभी युद्धविराम लागू है, फिर भी गाजा में हमले जारी हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद इस बड़े हमले की आधिकारिक पुष्टि की है। रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने भी इस गाजा हमला के बारे में अपनी तरफ से जानकारी दी है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हद्दाद इस हमले में मारा गया या वह केवल घायल हुआ है।

हमले में कई मासूमों की मौत : गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार शाम को इजरायल ने कम से कम दो बड़े हवाई हमले किए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पहला हमला गाजा शहर के रिमाल इलाके में एक रिहायशी इमारत पर किया गया था। इसके तुरंत बाद पास की सड़क पर जा रहे एक वाहन को भी मिसाइल से पूरी तरह उड़ा दिया गया। अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार इन भयानक हमलों में तीन से सात लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा 20 से ज्यादा लोग बुरी तरह घायल हुए हैं जिन्हें शिफा और सराय अस्पताल भेजा गया है। मारे गए लोगों में हद्दाद शामिल है या नहीं, यह अब भी पूरी तरह से एक रहस्य बना हुआ है।

हद्दाद को क्यों बनाया निशाना? : अल-हद्दाद इजरायल के लिए बहुत बड़ा दुश्मन है और 7 अक्तूबर 2023 के हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। मई 2025 में मोहम्मद सिनवार की मौत के बाद उसे ही हमास का नया सैन्य प्रमुख बनाया गया था। इजरायल का आरोप है कि वह हजारों इजरायली नागरिकों की हत्या और अपहरण के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि 7 अक्तूबर के हमले में शामिल किसी भी व्यक्ति को इजरायल कभी छोड़ेगा नहीं। उन्होंने खुली चेतावनी देते हुए कहा कि आज नहीं तो कल, इजरायल तुम तक पहुंच ही जाएगा। हमास की ओर से अभी तक इस गाजा हमला और अपने कमांडर की स्थिति पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

युद्धविराम के बाद गाजा के हालात : अक्तूबर 2025 में इजरायल और हमास के बीच एक कमजोर सा शांति समझौता या युद्धविराम हुआ था। लेकिन जमीन पर इसका कोई खास असर नहीं दिख रहा है और लगातार खूनी हमले हो रहे हैं। दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे पर इस शांति समझौते को तोड़ने का गंभीर आरोप लगाते रहते हैं।गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार युद्धविराम के बाद से 850 से अधिक फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। युद्ध शुरू होने से लेकर अब तक गाजा में 72,700 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है।

स्व. रक्षिता की तृतीय पुण्यतिथि पर बलौदा में 22 मई को लगेगा विशाल निःशुल्क चिकित्सा व महा रक्तदान शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

रक्षिता सेवा संस्थान एवं समस्त ग्रामवासी बलौदा के संयुक्त तत्वावधान में स्व. रक्षिता (बुगल) की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर आगामी 22 मई 2026, शुक्रवार को विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर, महा रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम बलौदा स्थित शहीद धर्मपाल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित होगा। शिविर का शुभारंभ प्रातः 9:15 बजे से होगा। स्व. रक्षिता, कुसुम एवं दारासिंह बुगल की सुपुत्री थीं। दारासिंह वर्तमान में जिला परिषद बारां में विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। लाडली बेटी स्व. रक्षिता की स्मृति में आयोजित किए जा रहे इस सेवा कार्य को लेकर गांव व क्षेत्र के लोगों में विशेष उत्साह है। आयोजकों का कहना है कि पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों की सेवा और रक्तदान जैसे पुनीत कार्य से ही स्व. रक्षिता को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की जा सकती है। शिविर में विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी निःशुल्क सेवाएं देंगे। पायल हॉस्पीटल एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर, चिड़ावा की ओर से स्त्री रोग विशेषज्ञ, बच्चा रोग विशेषज्ञ और जनरल फिजिशियन द्वारा मरीजों की जांच कर परामर्श दिया जाएगा। वहीं डॉ. नेहरा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पीटल, मण्ड्रेला की ओर से नशा मुक्ति विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे। इसके अलावा मनसा एएसजीआई हॉस्पिटल, सीकर की टीम द्वारा नेत्र रोग से संबंधित विशेष जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान पायल ब्लड बैंक, चिड़ावा के सहयोग से महा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। रक्तदान शिविर में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आमजन से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है। आयोजकों ने बताया कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है, इसलिए यह सेवा कार्य समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।रक्षिता सेवा संस्थान एवं समस्त ग्रामवासी बलौदा ने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया है कि वे शिविर में पहुंचकर निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाएं। साथ ही रक्तदान कर मानव सेवा में अपनी भागीदारी निभाएं और श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होकर स्व. रक्षिता को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करें।आयोजकों ने कहा कि यह शिविर केवल स्वास्थ्य जांच तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश भी देगा। स्व. रक्षिता की स्मृति में होने वाला यह आयोजन क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के लिए लाभकारी साबित होगा।

टोहाना के रजत कटारिया ने आईएफएस परिक्षा में आल इंडिया में 88वां रैंक हासिल किया

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना के युवक रजत कटारिया ने यूपीएससी द्वारा प्रायोजित परिक्षा में आल इंडिया फोरेस्ट सर्विस परिक्षा में 88वां रैंक हासिल कर सफलता प्राप्त की है। विदित रहे रजत कटारिया पेशे से इंजीनियर हैं इन्होंने सन् 2016मेंआई आई टी रूड़की से

इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की तथा इस समय कोल इंडिया में बतौर चीफ इंजीनियर कार्यरत हैं। इससे पूर्व तीन बार सिविल सर्विस परीक्षा मेन लिखित में में भी सफलता हासिल कर ली थी परंतु साक्षात्कार में थोड़े से अंतर से रह जाते थे।रजत कटारिया टोहाना के नहर विभाग के सिरसा से रिटायर्ड पूर्व एक्सन पन्नी लाल कटारिया के सुपुत्र हैं।

बेटे के टॉपर बनने पर सांवलिया सेठ को चढ़ाई चांदी की किताब

जयपुर (एजेंसी)। उदयपुर के प्रसिद्ध सांवलियाजी मंदिर के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का एक बेहद अनोखा उदाहरण सामने आया है। अपने बेटे के शानदार परीक्षा परिणाम से खुश होकर एक परिवार ने अपनी मन्नत पूरी होने पर भगवान सांवलिया सेठ के दरबार में चांदी की एक विशेष किताब अर्पित की है। परिवार द्वारा दी गई यह अनोखी भेंट अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। उदयपुर के प्रताप नगर निवासी बर्तन व्यवसायी सुनील काबरा अपने बेटे चिन्मय काबरा और पूरे परिवार के साथ सांवलियाजी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने राजभोग आरती के दौरान भगवान को करीब 50 ग्राम चांदी से निर्मित यह अनूठी किताब भेंट की। व्यवसायी सुनील काबरा ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे के बेहतर भविष्य और अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए भगवान सांवलिया सेठ से विशेष मन्नत मांगी थी।हाल ही में घोषित हुए सीबीएसई 12वीं कॉमर्स के रिजल्ट में उनके बेटे चिन्मय काबरा ने 97 प्रतिशत अंक हासिल कर न केवल परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि वह अपने स्कूल के टॉपर बनने के साथ-साथ पूरे जिले के टॉपर भी बने हैं। बेटे की इस ऐतिहासिक सफलता से पूरे परिवार में उत्सव और खुशी का माहौल है। इस मन्नत को पूरा करने के लिए चांदी की यह खास किताब अहमदाबाद के कारीगरों से विशेष ऑर्डर देकर तैयार करवाई गई थी। इस अनूठी किताब में कुल पांच पन्ने बनाए गए हैं। इसके पहले पन्ने पर एक तरफ 'श्री सांवलिया सेठ की जय' और दूसरी तरफ '12वीं पास' खूबसूरती से अंकित किया गया है। किताब के दूसरे पन्ने पर भगवान सांवलिया सेठ की मनमोहक तस्वीर उकेरी गई है, जबकि बाकी के पन्नों पर भगवान के जयकारे और विभिन्न धार्मिक चित्र बनाए गए हैं। मंदिर परिसर में चांदी की इस कलात्मक किताब को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। चिन्मय ने अपनी इस शानदार सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और भगवान सांवलिया सेठ के परम आशीर्वाद को दिया है। चिन्मय ने अपने भविष्य के लक्ष्यों को साझा करते हुए बताया कि वह आगे चलकर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने अभी से अपनी कठिन तैयारी भी शुरू कर दी है।परिजनों के अनुसार, चिन्मय शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं और वह अपनी 10वीं की बोर्ड परीक्षा में भी टॉपर रह चुके हैं। मंदिर में दर्शन और इस विशेष भेंट के दौरान चिन्मय के साथ उनके पिता सुनील काबरा, मां डिंपल काबरा और बहन चार्वी काबरा भी मौजूद रहीं, जिन्होंने भगवान का आभार व्यक्त किया।

जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए?

चेन्नई (एजेंसी)। दिग्गज एक्टर रजनीकांत ने रविवार को अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने राज्य के पूर्व सीएम एमके स्टालिन के साथ अपनी हालिया मुलाकात को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच अपनी राजनीतिक स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि विजय के सीएम बनने की खबर सुनकर वो हैरान थे। उन्होंने कहा कि वे अब राजनीति में सक्रिय नहीं हैं और कई सालों से इससे दूर हैं। रजनीकांत ने कहा कि उनके और विजय के बीच उम्र में 28 साल का अंतर है और विजय ने दो प्रमुख राजनीतिक दलों (डीएमके-एआईएडीएमके) के खिलाफ खड़े होकर स्वतंत्र रूप से अपनी पहचान बनाई है। जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए?

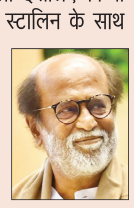

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रजनीकांत ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके राजनीतिक रुख और स्टालिन के साथ उनकी मुलाकात के बारे में बार-बार की जा रही आलोचनाओं का अगर जवाब नहीं दिया गया तो उन्हें सच मान लिया जाएगा। रजनीकांत ने चुनाव परिणामों के बाद स्टालिन के साथ अपनी मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि उनका रिश्ता राजनीति से परे है। उन्होंने कहा कि मुझे दुख हुआ कि एमके स्टालिन कुलथुर से हार गए। रजनीकांत कोई घटिया या निम्न स्तर के व्यक्ति नहीं हैं जो बेवजह किसी और बात पर टिप्पणी करें। रजनीकांत ने विजय के सीएम बनने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर हो रही आलोचनाओं का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरे बारे में यह भी कहा गया कि मैंने एयरपोर्ट पर विजय को बधाई नहीं दी। उन्होंने कहा कि मैंने उनकी जीत के तुरंत बाद एक्स पर बधाई संदेश पोस्ट किया था। जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए? जिसके भाग्य में जो लिखा है, वो होकर रहेगा और जिसका नहीं लिखा है, वो नहीं होगा। बता दें रजनीकांत की यह टिप्पणियां चुनाव परिणामों के बाद तमिलनाडु में चल रही गहन राजनीतिक चर्चाओं और राज्य में फिल्म जगत की हस्तियों और मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरणों को लेकर अटकलों के बीच आई है।

राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट हाई अलर्ट पर

हैदराबाद (एजेंसी)। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को उस समय हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया जब नीदरलैंड से आने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए प्राप्त हुई। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं और एयरपोर्ट परिसर में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, ईमेल में फ्लाइट को निशाना बनाने की बात कही गई थी, जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। यात्रियों और उनके सामान की सघन जांच की जा रही है, जबकि पूरे टर्मिनल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की पुष्टि नहीं हुई है। स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जांच पूरी होने तक सुरक्षा प्रोटोकॉल सख्ती से लागू रहेगा।

एक दिन पहले भी मिली थी धमकी – यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब एक दिन पहले ही कुआलालंपुर से हैदराबाद आ रही एयरएशिया की एक उड़ान को भी इसी तरह की बम धमकी मिली थी। हालांकि उस मामले में सुरक्षा जांच के बाद धमकी को झूठा पाया गया था। जांच में पता चला था कि ईमेल के जरिए फ्लाइट में आत्मघाती हमलावर होने का दावा किया गया था, जो बाद में निराधार साबित हुआ। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सुरक्षा जांच में सहयोग करें। सुरक्षा एजेंसियां धमकी देने वाले ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

अब दो नहीं, तीसरा और चौथा बच्चा होने पर सरकार देगी हजारों का इनाम

–आंध्र प्रदेश में घटती आबादी को लेकर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने लॉन्च की योजना

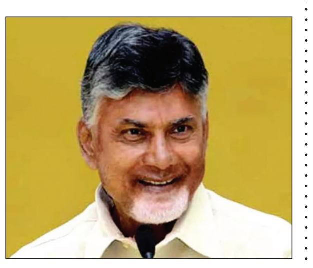

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपका तीसरा बच्चा हुआ तो आपको किसी भी सरकारी स्कीम का फायदा नहीं मिलेगा ऐसा था, लेकिन अब आप भारत में दो से ज्यादा बच्चे होने पर आपको इनाम दिया जाएगा। हां यह सच है, तीसरे बच्चे पर आपको 30 हजार रुपए सरकार देगी। वहीं, चौथे बच्चे पर यह इनाम बढ़कर 40 हजार हो जाएगा। दरअसल, यह योजना आंध्र प्रदेश की तरफ से लॉन्च की गई है। इस योजना की घोषणा सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में घटती आबादी को लेकर चिंता जहिर करते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार रुपए और चौथे बच्चे के जन्म पर 40 हजार रुपए की आर्थिक मदद देगी। इस योजना की पूरी जानकारी अगले एक महीने में जारी की जाएगी। सीएम ने यह घोषणा श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में आयोजित एक जनसभा के दौरान की। वह यहां स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज मिलकर जन्म दर बढ़ाने की दिशा में काम करे।

दिलचस्प बात यह है कि पहले सीएम चंद्रबाबू नायडू जनसंख्या नियंत्रण के पक्ष में रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने अपनी सोच में बदलाव किया है। उनका कहना है कि राज्य में तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक हालात के कारण परिवार छोटे होते जा रहे हैं। कई दंपति केवल एक ही बच्चा पैदा कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग दूसरा बच्चा तभी चाहते हैं जब पहला बच्चा बेटा न हो। नायडू ने कहा कि इन वजहों से राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर प्रभावित हो रही है।

उन्होंने बताया कि किसी भी समाज की आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर का 2.1 होना जरूरी है। अगर यह दर इससे नीचे चली जाती है तो भविष्य में बुजुर्ग आबादी बढ़ने लगती है और काम करने वाली युवा आबादी कम हो जाती है। सीएम नायडू ने कहा कि दुनिया के कई देशों में घटती आबादी और बढ़ती बुजुर्ग संख्या आर्थिक विकास के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो भारत के कुछ राज्यों में भी ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है।

देश में कहीं बरस रही आग, कहीं तेज आंधी और बिजली से लोग परेशान

–मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश समेत 19 राज्यों में किया अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई की तपती दोपहर और रात में भी बदन झुलसा देने वाली गर्मी के बीच मौसम अब करवट लेता नजर आ रहा है। देश के कई हिस्सों में लोग इस समय दोहरी मार झेल रहे हैं। कहीं आसमान से आग बरस रही है तो कहीं तेज आंधी और बिजली लोगों की चिंता बढ़ा रही है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। यूपी, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पूर्वोत्तर समेत 19 राज्यों में तेज आंधी, गरज-चमक और भारी बारिश हो सकती है। कई इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव सिर्फ राहत नहीं बल्कि खतरा है। खेतों में खड़ी फसल, सड़क पर चल रहे लोग और खुले इलाकों में मौजूद लोगों को खास सतर्क रहने की जरूरत है। इस बार गर्मी और प्री-मानसून एक्टिविटी एक साथ असर दिखा रही है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में दिन में हीटवेव और शाम होते ही धूल भरी आंधी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य उत्तर प्रदेश और दक्षिणी राजस्थान के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर उत्तर और पूर्व भारत के बड़े हिस्से में दिखाई देगा।

पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिससे हिमालयी राज्यों में बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि की संभावना बढ़ गई है। दूसरी तरफ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में तूफानी बारिश का कारण बन सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मई के तीसरे सप्ताह में यह सिस्टम और मजबूत होगा। इससे कई राज्यों में बिजली गिरने की घटनाएं भी बढ़ सकती हैं। दिल्ली-एनसीआर में जहां गर्म हवाएं लोगों को परेशान करेंगी, वहीं यूपी और बिहार में धूल भरी आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में लू का प्रकोप रहेगा, लेकिन कुछ हिस्सों में बादल राहत देंगे। कुल मिलाकर अगले 48 घंटे देश के मौसम के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं। रांची, जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बेहद अजीब बना हुआ है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही हैं, जबकि शाम के समय धूल भरी आंधी और हल्की बारिश की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में मौसम सबसे ज्यादा अस्थिर नजर आ रहा है। लखनऊ, कानपुर, बरेली, बदायूं, हरदोई, जालौन और बुंदेलखंड के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में हवाओं की रफ्तार 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। हालांकि बारिश से कुछ जिलों में तापमान में गिरावट आ सकती है, लेकिन बुंदेलखंड क्षेत्र में लू का असर जारी रहेगा।

बिहार में पिछले कुछ दिनों से मौसम तेजी से बदल रहा है। पटना, गया, भागलपुर, पूर्णिया, दरभंगा, कटिहार और बेगूसराय समेत कई जिलों में तेज बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार और रविवार को राज्य के कई हिस्सों में धूल भरी आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। किसानों और खुले क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

झारखंड में भी मौसम का मिजाज अचानक बदल सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो रही हैं। कई इलाकों में बिजली गिरने और पेड़ उखड़ने जैसी घटनाएं हो सकती हैं, लेकिन तेज हवाएं परेशानी बढ़ा सकती हैं। राजस्थान में फिलहाल गर्मी का कहर जारी है। हालांकि कुछ जिलों में धूल भरी आंधी और हल्की बूंदाबांदी से मौसम थोड़ा नरम हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान में अगले दो दिनों तक लू का असर बना रहेगा।

देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान, इकोलॉजिकल नुकसान का किया जिक्र

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लिखा पत्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान जारी है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर चिंता जताई है। रमेश ने इकोलॉजिकल नुकसान का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने आदिवासी समुदायों के भावना के उल्लंघन की बात कही। बता दें ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट भारत सरकार द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में शुरू किया जा रहा करीब 92,000 करोड़ रुपए का मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में एक बड़ा इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नया आधुनिक शहर और 450 मेगावाट का गैस व सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री को पत्र लिखते हुए कहा कि 1 मई 2026 को भारत सरकार ने द ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट शीर्षक से एक एफएक्यू जारी किया था। इसके बाद 10 मई 2026 को मैंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री को लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना को मिली पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर पूरी तरह भ्रामक तस्वीर पेश करते हैं, जो असल में बेहद संदिग्ध आधारों पर दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि 13 मई 2026 को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को भी पत्र लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना की मंजूरी प्रक्रिया के तहत प्रावधानों के पालन की स्थिति को पूरी तरह गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं, जबकि असल में यह प्रक्रिया संसद द्वारा आदिवासी समुदायों को दिए गए व्यक्तिगत और सामूहिक अधिकारों का भावना और शब्द दोनों स्तरों पर खुला उल्लंघन करती है। उन्होंने पत्र में लिखा कि मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हमारे देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की जरुरत पर कोई दो राय नहीं हो सकती। भारत की रणनीतिक क्षमताओं को विश्वसनीय तरीके से प्रदर्शित करने की जरूरत पर भी कोई मतभेद नहीं है। फिर भी, मैं आपके विचारार्थ निम्नलिखित बातें प्रस्तुत करना चाहता हूं।

ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल वे में स्थित आईएनएस बाज को जुलाई 2012 में कमीशन किया गया था, लेकिन मौजूदा रनवे की लंबाई को कम से कम तीन गुना बढ़ाने और एक नौसैनिक जेट्टी बनाने की योजनाएं करीब पांच सालों से मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। इन योजनाओं के पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव भी कहीं कम हैं।

यौन उत्पीड़न के मामले में केंद्रीय राज्यमंत्री संजय कुमार का बेटा गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को तेलंगाना पुलिस ने शनिवार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा भगीरथ को अंतरिम राहत देने से इनकार किए जाने के ठीक एक दिन बाद हुई है। गिरफ्तारी से पहले केंद्रीय मंत्री ने एक बयान जारी कर बताया था कि उन्होंने खुद अपने बेटे को पुलिस के समक्ष पेश होने और जांच में पूरी तरह सहयोग करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि कानून और न्यायपालिका के प्रति पूर्ण सम्मान दिखाते हुए उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से बेटे को तेलंगाना पुलिस के सामने पेश किया। मंत्री के अनुसार, उनका बेटा लगातार खुद को निर्दोष बता रहा है और इस संबंध में उसने अपने वकीलों को पुख्ता सबूत भी सौंपे हैं। वकीलों को उम्मीद थी कि कोर्ट से राहत मिल जाएगी, जिसके कारण आत्मसमर्पण में थोड़ी देरी हुई। लेकिन कोर्ट का आदेश आने का इंतजार किए बिना, न्यायपालिका के प्रति सम्मान और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उन्होंने बेटे को जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया।

यह पूरा मामला करीब एक सप्ताह पहले तब शुरू हुआ जब एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की की मां ने भगीरथ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने 8 मई को भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भगीरथ के नाबालिग लड़की के साथ संबंध थे और उसने लड़की का यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने भगीरथ पर गलत तरीके से छूने और जबरदस्ती शराब पिलाने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ एक लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया था।

दूसरी तरफ, आरोपी भगीरथ ने भी पुलिस में एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। भगीरथ का दावा है कि लड़की उसे अपने पारिवारिक कार्यक्रमों और पार्टियों में बुलाती थी। इसके बाद उसके परिवार वालों ने उस पर शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया और कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। फिलहाल, इस हाई-प्रोफाइल मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है और केंद्रीय मंत्री को पद से हटाने की मांग उठने लगी है ताकि मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच सुनिश्चित की जा सके। पुलिस मामले के दोनों पक्षों की गहनता से जांच कर रही है।

भारी तनाव के बीच कच्चा तेल लेकर भारतीय तट की ओर बढ़ा विशाल टैंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी गंभीर सैन्य संकट के बीच भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक और राहत भरी खबर सामने आई है। तमाम रणनीतिक चुनौतियों और युद्ध के खतरों के बावजूद, ग्लोबल एनर्जी कॉरिडोर के नाम से विख्यात होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर कच्चे तेल से लदा एक विशाल टैंकर भारत की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। फारस की खाड़ी (पर्शियन गल्फ) क्षेत्र में ईरान और अमेरिकी सेना के बीच जारी भारी तनाव के बीच इस टैंकर का सुरक्षित निकलना भारत के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। शिप ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, करोलोस नाम का यह स्वेजमैक्स टैंकर इराकी कच्चा तेल लेकर होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है और ओमान की खाड़ी से होते हुए अरब सागर के रास्ते भारत की ओर अग्रसर है।

शिप ट्रैकिंग के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की संख्या में इन दिनों भारी गिरावट दर्ज की गई है। पर्शियन गल्फ में जारी संघर्ष अब 12वें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, जिसके कारण समुद्री व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। युद्ध से पहले की तुलना में वर्तमान ट्रांजिट बेहद निचले स्तर पर बना हुआ है। अमेरिकी प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि ईरान जल्द ही अंतरराष्ट्रीय दबाव में झुक जाएगा, लेकिन तेहरान की ओर से होर्मुज पर अपनी पकड़ ढीली करने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। ईरान ने युद्ध समाप्ति की वार्ता में लौटने के लिए पांच कड़ी शर्तें रखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख शर्त होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की संप्रभुता को वैश्विक स्तर पर स्वीकार करना है।

जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, करोलोस टैंकर इराक के बसरा टर्मिनल से कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। उपग्रह से मिली तस्वीरों और गुरुवार को ओमान की खाड़ी में इसकी स्थिति से संकेत मिला है कि यह जहाज पूरी तरह कच्चे तेल से लदा हुआ है। इस बीच, इराक से वियतनाम जा रहा एक अन्य तेल टैंकर अभी भी ओमान की खाड़ी में फंसा हुआ है, जिसे अमेरिकी नौसेना द्वारा रोके जाने की खबर है। होर्मुज जलमार्ग में फिलहाल सुरक्षा हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड का दावा है कि ईरान पर प्रतिबंध लागू करने के बाद अमेरिकी सेना अब तक 75 व्यावसायिक जहाजों का मार्ग बदल चुकी है। इसके अलावा, क्षेत्र में ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम संकेतों में बड़े पैमाने पर हो रहे हस्तक्षेप और ईरान से जुड़े जहाजों द्वारा अपने ट्रैकिंग सिग्नल बंद कर देने के कारण स्वतंत्र निगरानी करना कठिन हो गया है। इस अभूतपूर्व संकट और अनिश्चितता के दौर में भारतीय टैंकर का सुरक्षित निकलना देश की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से एक बड़ी खुशखबरी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com